website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 96 | पेज: 8 | जयपुर, मंगलवार, 17 मार्च 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान में बम ब्लास्ट के लिए पाकिस्तान से भेजा आईईडी

- 4 दिन तक विस्फोटक का इंतजार करते रहे आरोपी, 3 जगह धमाके की साजिश

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में बम धमाके के लिए पाकिस्तानी आतंकी शहजाद भट्टी ने साजिश रची थी। बॉर्डर एरिया वाले जिले हनुमानगढ़ में आतंकी ने इम्प्रोवाइज एक्सप्लोसिव डिवाइस भी पहुंचा दी थी। आरडीएक्स पहुंचने में देरी से आतंकी साजिश नाकाम हो गई। ये खुलासा हरियाणा के अंबाला में 2 किलो आरडीएक्स, आईईडी व विस्फोटक सामग्री के साथ पकड़े गए तीन आरोपियों से पूछताछ में हुआ है। इनमें एक आरोपी अजमेर का रहने वाला है। सूत्रों के अनुसार आतंकी शहजाद भट्टी के इशारे पर ड्रोन के जरिए अमृतसर (पंजाब) में आरडीएक्स व दूसरा सामान भेजा गया था। सुरक्षा एजेंसी के सूत्रों के अनुसार आरोपियों ने पूछताछ में कई चौंकाने वाली जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान से भेजे आरडीएक्स से पहला ब्लास्ट हनुमानगढ़ में किया जाना था। चार दिन तक आईईडी हनुमानगढ़ में ही रही, लेकिन आरडीएक्स नहीं पहुंचा तो उसे वापस मंगा लिया। इसके बाद एक सप्ताह तक हरियाणा, पंजाब, दिल्ली और चंडीगढ़ के कई इलाकों की रेकी कर वीडियो भेजे गए, ताकि नया टारगेट तय किया जा सके।

राज्यसभा चुनाव से पहले सियासी घेराबंदी हुई तेज

- बिहार-ओडिशा और हरियाणा में रिसॉर्ट पॉलिटिक्स शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा की 11 सीटों के लिए सोमवार को होने वाले मतदान से ठीक पहले बिहार, हरियाणा और ओडिशा में सियासी हलचल तेज हो गई है। संभावित क्रॉस-वोटिंग और विधायकों की टूट-फूट को रोकने के लिए राजनीतिक दलों ने अपने-अपने विधायकों की घेराबंदी शुरू कर दी है। कई जगहों पर विधायकों को रिसॉर्ट में ठहराया गया है तो कहीं उन्हें रोजाना पार्टी नेतृत्व के सामने उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। देशभर में इस बार राज्यसभा की 37 सीटों के लिए चुनाव हो रहे हैं। इनमें से 26 सीटों पर उम्मीदवार पहले ही निर्विरोध चुन लिए गए हैं। अब बिहार की पांच, ओडिशा की चार और हरियाणा की दो सीटों पर मतदान होना है। नतीजे भी सोमवार को ही घोषित किए जाएंगे। कुछ जगहों पर मुकाबला कड़ा है और क्रॉस-वोटिंग या निर्दलीय उम्मीदवार परिणामों को प्रभावित कर सकते हैं।

नेपाल में भारतीय तीर्थयात्रियों की बस खाई में गिरी, सात मरे

- 7 लोग घायल, मनाकामना मंदिर से दर्शन कर लौटते समय हुआ हादसा

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के गंडकी प्रांत के गोरखा जिले में शनिवार रात भारतीय तीर्थयात्रियों से भरी एक बस खाई में गिर गई। इसमें 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 7 घायल हैं। यात्री मनाकामना मंदिर से दर्शन कर लौट रहे थे। पुलिस के मुताबिक, श्रद्धालुओं को लेकर जा रही एक माइक्रोबस मनकामना मंदिर से लौट रही थी, तभी सड़क से फिसलकर 200 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में घायल 7 यात्रियों को भरतपुर स्थित चितवन मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए भेजा गया है। पुलिस के अनुसार बस में एक दर्जन से ज्यादा यात्री सवार थे। प्रशासन के अनुसार बस मनाकामना मंदिर से तनहुन जिले के अंबुखैरेनी इलाके की ओर जा रही थी। घटना के बाद देर रात तक रेस्क्यू ऑपरेशन जारी रहा। - विस्तृत खबर पेज 8 पर

टाइम मैग्जीन वर्ल्ड्स ग्रेटेस्ट प्लेसेस में भारत के 4 स्थान

पर्यटकों को लुभा रहे 'जोधपुरी स्ट्रॉबेरी खेत', 7000 फीट की ऊंचाई पर मिल रहा सुकून

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। पूरी दुनिया में घूमने का क्रेज लगातार बढ़ रहा है। साल 2025 में करीब 1.5 अरब पर्यटकों ने विदेश यात्रा की, जो पिछले साल से 4 फीसदी अधिक है। इसी उत्साह को देखते हुए 'टाइम' मैग्जीन ने दुनिया के 100 द वर्ल्ड्स ग्रेटेस्ट प्लेसेस ऑफ 2026 की सूची जारी की है। इसमें भारत के भी 4 स्थानों को शामिल किया गया है। यह लिस्ट अंतरराष्ट्रीय लेखकों और संवाददाताओं के फीडबैक के आधार पर तैयार की गई है, जिसमें नए और रोमांचक अनुभव देने वाली जगह शामिल हैं।

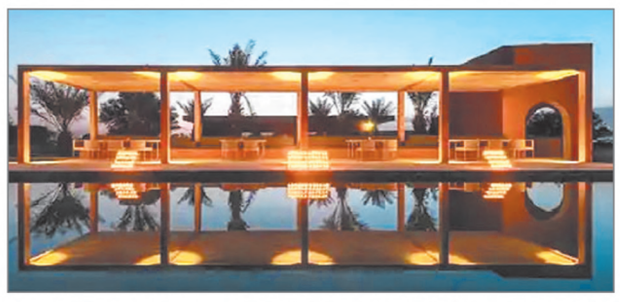

थार के बीच जोधपुर का 'म्हारो खेत', खेती के साथ लग्जरी स्टे

जोधपुर। राजस्थान के जोधपुर के बाहरी इलाके में स्थित 'म्हारो खेत' थार रेगिस्तान के बीच एग्री-टूरिज्म का शानदार ठिकाना है। 40 एकड़ के रीजेनरेटिव फार्म पर बने इस परिसर में 10 लग्जरी सुइट्स हैं, जो मेहमानों को प्रकृति और खेती के करीब लाते हैं। यहां का मुख्य आकर्षण खेत की ताजी उपज और स्ट्रॉबेरी-अनार के बागान हैं। मेहमान खुद सब्जियां चुनने के साथ कुकिंग लेसन और फार्म वॉक का आनंद ले सकते हैं। भोजन के लिए यहां 3 रेस्टोरेंट्स भी मौजूद हैं।

पहाड़ियों में 'शक्ति प्राण लॉज' पहुंचने का रास्ता सिर्फ पैदल

कुमाऊं। उत्तराखंडके कुमाऊं की पहाड़ियों में स्थित 'शक्ति प्राण लॉज' शांति और रोमांच का अनूठा संगम है। 7,000 फीट की ऊंचाई पर बने इस रिट्रीट तक केवल पैदल ही पहुंचा जा सकता है। यहां सौर ऊर्जा से संचालित सिर्फ 7 सुइट्स हैं, जहां से नंदा देवी और पंचाचूली चोटियों के अद्भुत दृश्य दिखते हैं। प्रकृति प्रेमियों के लिए यह जगह खास है, जहां बर्फीली चोटियों के बीच लकड़ी के फायरप्लेस और सुकून भरा वातावरण मिलता है।

पहाड़ियों में लीजिए बाघों और ऐतिहासिक मंदिरों का आनंद

राजगढ़। मध्य प्रदेश की मणियागढ़ पहाड़ियों में स्थित 'द ओबेरॉय राजगढ़ पैलेस' बुंदेला वंश के 350 साल पुराने निवास को रीस्टोर कर बनाया गया भव्य रिसॉर्ट है। झील के किनारे बसे इस रिसॉर्ट की बड़ी खूबी पन्ना नेशनल पार्क के पास इसकी लोकेशन है, जहां सैलानी बाघ और तेंदुए देख सकते हैं। यहां के विशेषज्ञ मेहमानों को रनेह जलप्रपात और केन अभयारण्य की सफारी कराते हैं।

एबीबीसीसी-बार नहीं, ड्रिंक्स का म्यूजियम जैसा एक्सपीरियंस

नई दिल्ली। दिल्ली के वसंत विहार में स्थित 'एबीबीसीसी' ड्रिंक्स का एक आधुनिक म्यूजियम है। इसकी शुरुआत एक लैब से होती है, जहां जड़ी-बूटियों और शहद जैसी अनोखी सामग्रियों से पेयों को नया स्वाद दिया जाता है। यहां का मेन्यू समय की यात्रा जैसा है, जो बीता कल, आज और आने वाला कल श्रेणियों में बंटा है।

चुनाव आयोग ने देश के पांच राज्यों में किया चुनाव का ऐलान

बज गई 'रणभेरी' अब जनता की बारी

- असम-केरल और पुडुचेरी में सिंगल फेज में 9 अप्रैल को वोटिंग
- तमिलनाडु में 23 अप्रैल, बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग

सभी के नतीजे 4 मई को, सीईसी ने कहा-आचार संहिता हुई लागू

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने रविवार को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव का ऐलान कर दिया है। तमिलनाडु में सिंगल फेज में 23 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। वहीं, बंगाल में दो फेज 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग होगी। वहीं तीन राज्य केरल, असम और पुडुचेरी में सिंगल फेज यानी 9 अप्रैल वोटिंग होगी। रिजल्ट 4 मई को आएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि पांच राज्यों- यूटी में 17.4 करोड़ मतदाता और 824 सीटें हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि पिछले 12 महीने में चुनाव आयोग ने पारदर्शिता लाने के लिए कई नए प्रयोग किए। पहला था एसआईआर, जिसमें यह निश्चित किया गया कि कोई भी अयोग्य व्यक्ति वोटर लिस्ट में न रहे। दूसरा- मोबाइल फोन बाहर रहेगा।

मतदान केंद्रों के लिए 100 फीसदी वेबकास्टिंग होगी

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि आयोग मतदान प्रक्रिया में पारदर्शिता और निगरानी को मजबूत करने के लिए चारों राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में 2026 के विधानसभा चुनावों के दौरान सभी मतदान केंद्रों पर 100 फीसदी वेबकास्टिंग की सुविधा प्रदान करेगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया पिछले 12 महीने में चुनाव आयोग ने पारदर्शिता लाने के लिए कई नए प्रयोग किए।

सीईसी ने कहा-मैं युवाओं से वोट डालने की अपील करता हूं

चुनाव आयुक्त ने कहा-मैं युवाओं और पहली बार वोट देने वाले लोगों से अपील करता हूं कि वे अपने जीवन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी जरूर निभाएं। वे वोट जरूर करें।आपका वोट आपकी चॉइस है जो भविष्य का निर्माण करेगा। भारत में चुनाव लोकतंत्र का पर्व है। चुनाव का ऐलान करने से पहले मैं आपको कुछ जानकारी दे रहा हूं जो आने वाले चुनाव से जुड़ा है। पांच राज्यों- यूटी में 17.4 करोड़ मतदाता और 824 सीटें हैं। 17.4 करोड़ मतदाता, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी और कनाडा जैसे देशों की कुल आबादी के बराबर हैं।

- होसबोले ने कहा- संघ चाहता है कि दुनिया में शांति हो

भारतीयता-हिंदुत्व मानसिकता नहीं बल्कि जीवनशैली है

पानीपत (एजेंसी)। हरियाणा में चल रही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के आखिरी दिन रविवार को सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध के बीच ईरान को लेकर भारत के

- दत्तात्रेय होसबाले बोले-ईरान युद्ध पर भारत का स्टैंड सही

स्टैंड पर कहा कि भारत हित में सरकार सही कर रही है, ऐसा विश्वास है कि सरकार का स्टैंड सही है। उन्होंने कहा कि संघ पड़ोसी देशों के साथ बेहतर संबंधों पर जोर देता है। बांग्लादेश और नेपाल में सामाजिक और राजनीतिक उथल-पुथल के बाद नई सरकारें बनी हैं। दोनों देशों में शांति-स्थिरता और उनका भारत के साथ अच्छा संबंध पूरे एशिया के विकास और सुरक्षा के लिए जरूरी है। हालांकि, उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा पर भी चिंता जताई। होसबाले ने कहा- भारतीयता क्या है, हिंदुत्व क्या है, इसकी एक स्पष्ट अवधारणा होनी चाहिए। यह केवल एक

मानसिकता नहीं बल्कि एक जीवनशैली है। संघ ने अपने तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में आखिरी दिन कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव और सुझाव रखे। इनमें आरएसएस के दायित्व परिवर्तन भी शामिल रहा।

गुरु तेग बहादुर व संत शिरोमणि रविदास जयंती से मैसेज

सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि संघ के शताब्दी वर्ष में सिखों के नौवें गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व पर कई कार्यक्रम किए गए। वहीं संत शिरोमणि रविदास जी की 650वीं जयंती पर इस साल कार्यक्रम हो रहे हैं। यह समरता का संदेश है। माधव सृष्टि में चल रहे तीन दिवसीय सभा के अंतिम दिन आरएसएस के सरसंघ चालक का संबोधन होगा। इससे पहले दो दिन में आरएसएस की विचारधारा से जुड़े 32 संगठनों ने सुझाव रखे।

चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले ममता का 'खेला'

चला बड़ा दांव, पुरोहितों और मुअज्जिनों का मानदेय बढ़ाया

कोलकाता (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है लेकिन इससे पहले सीएम ममता बनर्जी ने बड़ा दांव खेला है। ममता सरकार ने पुरोहितों और मुअज्जिनों के मासिक मानदेय में 500 रुपये की बढ़ोतरी की। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी है। सीएम ममता ने घोषणा की कि पुरोहितों और मुअज्जिनों को दिए जाने वाले मासिक मानदेय में 500 रुपये की बढ़ोतरी की जा रही है। इससे यह कुल 2000 रुपये हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यह कदम राज्य की सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने

में उनके योगदान को मान्यता देता है। ममता बनर्जी ने कहा कि यह कदम उन लोगों को सहयोग देने के लिए सरकार के निरंतर प्रयासों को दर्शाता है, जो पूरे राज्य में समुदायों की सेवा करते हैं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि ऐसे धार्मिक प्रतिनिधियों द्वारा किया गया कार्य समाज में सद्भाव और सांस्कृतिक निरंतरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कहा-पहले जंग खत्म करने की गारंटी मिले, नेतन्याहू को ढूंढ़कर मारने की धमकी दी

अमेरिका-इजराइल से बातचीत करने को तैयार ईरान

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का रविवार को 16वां दिन था। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने आज कहा कि अगर जंग खत्म करने की ठोस गारंटी मिलती है तो हम अमेरिका-इजराइल से बातचीत को तैयार है। उनका कहना है कि किसी भी ऐसे प्रस्ताव का स्वागत किया जाएगा जिससे युद्ध खत्म हो सके। इस बीच खाड़ी देशों ने ईरान से अपने इलाकों पर हमले बंद करने की मांग की है। इससे पहले ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने इजराइली प्रधानमंत्री

नेतन्याहू को ढूंढ़कर मारने की धमकी दी थी। अल जजीरा के मुताबिक, आईआरजीसी ने कहा कि बच्चों का हत्यारा अगर जीवित है, तो पूरी ताकत से उसका पीछा करेंगे और उसे मार देंगे। अब्बास अराघची ने रविवार को कहा, तेहरान युद्ध खत्म करने की किसी भी पहल का स्वागत करता है, जिससे युद्ध का पूरी तरह अंत हो सके। अराघची का यह बयान ऐसे समय आया है, जब पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष अपने तीसरे सप्ताह में प्रवेश कर चुका है और दोनों पक्षों ने हमले तेज करने की धमकियां दी हैं। - संबंधित खबर पेज 12 पर

ईरान बोला- सुप्रीम लीडर मुजतबा पूरी तरह ठीक

ईरान ने कहा है कि देश के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई पूरी तरह ठीक हैं और उन्हें कोई चोट नहीं लगी है। इससे पहले ब्रिटिश मीडिया द सन ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि मुजतबा 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल के हमले में घायल हो गए थे। इसके बाद से वे कोमा में हैं और उनका एक पैर भी काटना पड़ा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ने भी कहा था कि मुजतबा घायल हो गए हैं। हालांकि अराघची ने इन दावों को खारिज कर दिया है।

ईरान-इजरायल युद्ध की तीसरे हफ्ते में एंट्री

इजरायल और अमेरिका ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया था। इसके बाद से लगातार लड़ाई चल रही है। इजरायल और अमेरिका ने ईरान में भीषण बमबारी की है। इसमें ईरान में बड़े पैमाने पर जानमाल का नुकसान हुआ है। ईरान में कई इमारतें जमींदोज हो गई हैं तो 1300 से ज्यादा लोगों की जान अब तक हमलों में गई है। ईरान ने अमेरिका-इजरायल गठबंधन के हमलों का जवाब देते हुए खाड़ी देशों में अमेरिका के सैन्य बेसों पर मिसाइल और ड्रोन दागे हैं। वहीं इजरायल में भी लगातार मिसाइल हमले किए गए हैं।

- बुछार में ऑपरेशन डिग्गी-2 जारी, पुंछ में ऑपरेशन शेरीकलां के दौरान जवान शहीद

उरी में घुसपैठ की कोशिश नाकाम, एक आतंकी ढेर

पुंछ/उरी (एजेंसी)। कश्मीर के बारामूला जिले के उरी सेक्टर में ऑपरेशन डिग्गी-2 के दौरान एक पाकिस्तानी आतंकवादी मारा गया। यह कार्रवाई तब हुई जब भारतीय सेना के जवानों ने नियंत्रण रेखा यानी एलओसी के पास कुछ हलचल देखी। इसके बाद सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जॉइंट ऑपरेशन चलाया। 14-15 मार्च की रात बुछार इलाके में घुसपैठ कर रहे आतंकी ने फायरिंग शुरू कर दी। इसमें आतंकी मारा गया। सेना ने आतंकी के पास से हथियार बरामद किए हैं, जिसमें एक एके राइफल, पिस्तौल और गोला-बारूद शामिल हैं। ऑपरेशन फिलहाल जारी है। वहीं, शनिवार को पुंछ में जारी ऑपरेशन शेरीकलां के तहत एक जूनियर कमीशंड ऑफीसर शहीद हो गया। जवान का नाम सूबेदार संदीप कुमार ढाका है। व्हाइट नाइट कोर ने बताया कि ढाका सुरनकोट के ऊबड़-खाबड़ इलाके में ड्यूटी करते समय फिसलकर गिर गए थे। शेरीकलां के दौरान सुरनकोट में दोपहर ड्यूटी कर रहे थे।

राहुल के 'चाय-पकौड़े' और शर्टलेस प्रदर्शन पर भड़के शाह

बोले-कांग्रेस ने देश को बदनाम किया, लोकतांत्रिक संस्थाओं की छवि खराब हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल में हुए एआई समिट में यूथ कांग्रेस के शर्टलेस प्रदर्शन और संसद भवन की सीढ़ियों पर कांग्रेस सांसदों द्वारा चाय-पकौड़ा खाने को लेकर अमित शाह ने राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा, राहुल के बीजेपी और पीएम मोदी का विरोध करने के प्रयास में देश को बदनाम करने के उनके कृत्यों का कोई भारतीय समर्थन नहीं करता है। अमित शाह ने गुवाहाटी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, कभी-कभी वह (राहुल गांधी) संसद के दरवाजे पर बैठकर चाय-पकौड़े खाते हैं, क्या उन्हें एहसास नहीं है कि नाश्ता करने के लिए उचित

स्थान क्या होता है। उन्होंने आगे कहा, संसद हमारे लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था है। वहां बैठकर विरोध करना भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया नहीं है। लेकिन आपने विरोध से भी दो कदम आगे बढ़कर चाय-पकौड़े खा लिए हैं। उन्होंने कहा, इससे भारत की छवि पूरी दुनिया में खराब हो रही है। शाह ने जनता को संबोधित करते हुए कहा, विपक्ष को विरोध करने का अधिकार है लेकिन एआई शिखर सम्मेलन एक वैश्विक मंच था न कि निजी राजनीति का अड्डा।

शाह ने किया मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन

अमित शाह ने गुवाहाटी में 675 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित प्राग्ज्योतिषपुर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) का परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उद्घाटन किया। उन्होंने 'असम कैंसर केयर फाउंडेशन' (एसीसीएफ) के तहत गोलाघाट और तिनसुकिया में निर्मित कैंसर केंद्रों का भी ऑनलाइन तरीके से उद्घाटन किया। इनमें से प्रत्येक केंद्र का निर्माण 135 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। उन्होंने दीफू मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (220 करोड़ रुपए), जोरहाट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (310 करोड़ रुपए) और बारपेटा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (284 करोड़ रुपए) में सुपर-स्पेशियलिटी अस्पतालों की ऑनलाइन माध्यम से आधारशिला रखी।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

ईरान की अडिग रहने की रणनीति

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यदि यह सोचते थे कि शीर्ष नेतृत्व के खत्म हो जाने और पंद्रह दिनों की भीषण बमबारी झेलने के बाद ईरान हाथ खड़े कर देगा तो वह शायद उनकी भूल थी। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के मिसाइल हमले में मारे जाने के बाद उनकी गद्दी पर बैठे उनके बेटे मोजतबा खामेनेई ने अपने पहले ही संदेश में खून का बदला खून से लेने का एलान करते हुए पड़ोस के खाड़ी देशों को चेतावनी दी कि वे अपने यहां बने अमेरिकी अड्डों को बंद करें। हालांकि उनके संदेश की जिस बात ने पूरी दुनिया के बाजारों और कारोबारों में हड़कंप मचाया वह दुश्मनों को मात देने के लिए होर्मुज जलमार्ग का हथियार की तरह इस्तेमाल करने के बारे में था। दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस इसी मार्ग से होकर जाता है, जिसका 60 प्रतिशत से अधिक चीन, भारत, जापान, दक्षिण कोरिया और हिंदचीन के देशों को जाता है।

हड़कंप को शांत करने के लिए ट्रंप ने लड़ाई के लगभग पूरा हो जाने की बातें कीं। ईरान को धमकी दी कि होर्मुज बंद किया तो बीस गुना भीषण हमले झेलने होंगे। कभी होर्मुज से जाने वाले जहाजों का बीमा करने की बात उछाली। कभी जहाजों के अमेरिकी नौसेना की सुरक्षा देने की बातें कीं। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने अपने आपात रिजर्व से 40 करोड़ बैरल तेल जारी करने की घोषणा की। साथ में ट्रंप ने रूस के जहाजों पर लदे करीब 35-40 करोड़ बैरल तेल की बिक्री से एक महीने के लिए प्रतिबंध हटा लिए, लेकिन जहाजों पर ईरान के छिटपुट हमलों और उसकी धमकी से फैले आतंक के सामने किसी घोषणा की एक न चली। होर्मुज से जहाजों का यातायात लगभग ठप रहा और कच्चे तेल के दाम 100 डालर प्रति बैरल पार कर गए।

अमेरिका और इजरायल का दावा है कि उन्होंने ईरान की हवाई, नौसैनिक और मिसाइल निर्माण एवं मारक क्षमता खत्म कर दी है। शीर्ष नेतृत्व मारा जा चुका है, इसलिए देश में कोई व्यवस्था नहीं बची है, मगर उनके ये दावे जमीनी हकीकत पर खरे नहीं उतरते। ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन हमलों की संख्या घटी जरूर है, पर हमले जारी हैं और इजरायल, अमेरिका एवं खाड़ी के देशों के सुरक्षा कवचों को भेद भी रहे हैं। ईरानी राष्ट्रपति महमूद पेजेश्कियान और विदेश मंत्री अराघची के बयानों और हावभाव में किसी तरह की घबराहट या चिंता दिखाई नहीं दे रहीं।

मोजतबा खामेनेई के चुनाव को लेकर अवश्य 88 मुजाहिदों की मजलिस-ए-रहबरी के बीच कुछ विवाद होने की खबरें हैं, क्योंकि इस्लामी क्रांति का मकसद वंशवादी राजशाही को हटाकर ऐसी मुल्लाशाही स्थापना करना था जिसके नेता का चुनाव योग्यता के आधार हो। मोजतबा खामेनेई का चुना जाना वंशवाद का ही प्रतीक है।

सावधान: 31 मार्च तक PPF और सुकन्या खाते में जमा करें मिनिमम बैलेंस, वरना बंद हो जाएगा अकाउंट और लगेगा जुर्माना

- इनएक्टिव खातों पर न तो मिलेगा लोन और न ही निकाल पाएंगे पैसा; सुकन्या योजना पर मिल रहा है रिकॉर्ड 8.2% ब्याज, जानिए निवेश के कड़े नियम

जयपुर | रॉयल पत्रिका डेस्क

यदि आपके पास पब्लिक प्रॉविडेंट फंड (PPF) या अपनी बेटी के नाम पर सुकन्या समृद्धि योजना (SSY) का अकाउंट है, तो यह खबर आपके लिए बहुत महत्वपूर्ण है। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 की समाप्ति में अब बहुत कम समय बचा है। यदि आपने इस साल इन खातों में न्यूनतम राशि जमा नहीं की है, तो 31 मार्च 2026 तक इसे जरूर कर लें। ऐसा न करने पर आपका खाता न केवल बंद (Inactive) हो सकता है, बल्कि इसे दोबारा शुरू कराने के लिए आपको भारी जुर्माना भी देना पड़ेगा□

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (PPF): ₹500 का निवेश है अनिवार्य PPF अकाउंट को सक्रिय रखने के लिए नियम काफी सख्त हैं। यदि आप चाहते हैं कि आपका निवेश सुरक्षित रहे और उस पर ब्याज मिलता रहे, तो इन बातों का ध्यान रखें:

न्यूनतम जमा: एक वित्त वर्ष में कम से कम 500 रुपए जमा करना अनिवार्य है□

जुर्माना: यदि 31 मार्च तक यह राशि जमा नहीं होती है, तो खाते को 'डिफ़ॉल्ट' मान लिया जाएगा और इसे सक्रिय करने के लिए हर साल के हिसाब से 50 रुपए जुर्माना देना होगा□

ब्याज दर: वर्तमान में PPF खातों पर सरकार 7.1% की दर से आकर्षक ब्याज दे रही है□

बड़ी परेशानी: खाता बंद होने की स्थिति में आप न तो इससे पैसा निकाल पाएंगे और न ही इस पर मिलने वाली लोन की सुविधा का लाभ ले सकेंगे□

सुकन्या समृद्धि योजना (SSY): बेटियों के भविष्य के लिए जरूरी कदम बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुरू की गई इस योजना में भी निवेश निरंतर बनाए रखना आवश्यक है:

न्यूनतम निवेश: सुकन्या समृद्धि योजना में हर साल कम से कम 250 रुपए जमा करने होते हैं□

पेनल्टी: न्यूनतम राशि जमा न करने पर खाते को 'डिफ़ॉल्ट' माना जाता है और इसमें भी 50 रुपए का सालाना जुर्माना देना पड़ता है□

शानदार रिटर्न: इस योजना पर फिलहाल सरकार 8.2% की दर से ब्याज दे रही है, जो कई अन्य बचत योजनाओं के मुकाबले काफी अधिक है□

टैक्स छूट का दोहरा फायदा: सेक्शन 80C के तहत बचत इन दोनों योजनाओं में निवेश केवल भविष्य सुरक्षित नहीं करता, बल्कि आपकी वर्तमान कमाई पर लगने वाले टैक्स को भी कम करता है:

आयकर लाभ: इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80C के तहत इन स्कीमों में निवेश करने पर टैक्स छूट का लाभ मिलता है□

सीमा: आप सालाना 1.5 लाख रुपए तक के निवेश पर टैक्स बचा सकते हैं□ सरल शब्दों में कहें तो, आपकी कुल कर-योग्य आय में से 1.5 लाख रुपए तक की राशि कम कर दी जाती है, जिससे आपकी टैक्स लायबिलिटी घट जाती है□

अकाउंट इनएक्टिव होने के 3 बड़े नुकसान (खास बॉक्स)

लोन की सुविधा बंद: इनएक्टिव PPF अकाउंट पर आप बैंक से कर्ज नहीं ले सकते□

निकासी पर रोक: जब तक खाता एक्टिव नहीं होगा, आप मैच्योरिटी से पहले या आंशिक निकासी (Withdrawal) नहीं कर पाएंगे□

डिफ़ॉल्ट स्टेटस: सुकन्या खाते को डिफ़ॉल्ट मान लिया जाता है, जिससे भविष्य के लाभ रुक सकते हैं□

रॉयल पत्रिका की सलाह: अंतिम समय की भीड़ और तकनीकी समस्याओं से बचने के लिए 31 मार्च का इंतजार न करें। आज ही अपने नजदीकी बैंक या पोस्ट ऑफिस जाकर अपना न्यूनतम बैलेंस चेक करें और खाते को अपडेट रखें।

दिवस विशेष

श्वेता गोयल

मानवता का सबसे सशक्त सुरक्षा कवच है टीकाकरण

मानव सभ्यता के इतिहास में अदृश्य सूक्ष्मजीवों, वायरसों और जीवाणुओं ने समय-समय पर अस्तित्व के लिए गंभीर चुनौतियां पेश की हैं। इन प्राणघातक संकटों के विरुद्ध मानवता के पास सबसे सशक्त और अचूक अस्त्र 'टीकाकरण' ही रहा है। भारत में प्रतिवर्ष 16 मार्च को मनाया जाने वाला 'राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस' सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता, वैज्ञानिक चेतना और लाखों जिंदगियों को अकाल मृत्यु से बचाने के संकल्प का उत्सव है। यह दिवस हमें स्मरण कराता है कि कैसे विज्ञान ने प्रकृति के प्रकोप को नियंत्रित कर एक स्वस्थ समाज की नींव रखी है। टीकाकरण की महत्ता को समझना आज इसलिए भी अनिवार्य है क्योंकि यह न केवल व्यक्ति विशेष की रक्षा करता है बल्कि एक अभेद्य सामुदायिक सुरक्षा तंत्र (हर्ड इम्यूनिटी) का निर्माण भी करता है। टीकाकरण की प्रक्रिया वास्तव में शरीर की आंतरिक रक्षा प्रणाली को प्रशिक्षित करने की एक कला है। हमारे वातावरण में अनगिनत रोगजनक तत्व विचरण करते हैं, जो किसी भी क्षण हमें अपनी चपेट में ले सकते हैं। वैक्सीन इन खतरों के विरुद्ध शरीर में एक कृत्रिम प्रतिरक्षा जागृत करती है, जिससे हमारा शरीर वास्तविक संक्रमण होने पर उससे लड़ने के लिए पहले ही तैयार रहता है। यह चिकित्सा विज्ञान की वह अद्भुत उपलब्धि है, जिसने चेचक जैसी भयावह बीमारियों का नामोनिशान मिटा दिया और पोलियो जैसे अभिशाप को इतिहास के पन्नों तक सीमित कर दिया। राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस का मूल ध्येय समाज के हर वर्ग, विशेषकर नीति निर्माताओं और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को इस अभियान की निरंतरता बनाए रखने के लिए प्रेरित करना है। यह उन अग्रिम पंक्ति के योद्धाओं, डॉक्टरों और नर्सों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी क्षण है, जो दुर्गम क्षेत्रों में जाकर हर बच्चे तक 'सुरक्षा की खुराक' पहुंचाना सुनिश्चित करते हैं। यदि हम भारत के संदर्भ में टीकाकरण की ऐतिहासिक विजय गाथा का विश्लेषण करें तो 16 मार्च की तिथि स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। इसी दिन वर्ष 1995 में देश में ओरल पोलियो वैक्सीन की पहली खुराक दी गई थी, जो 'पल्स पोलियो अभियान' के व्यापक शंखनाद का प्रतीक बनी। 'दो बूंद जिंदगी की' का वह नारा केवल एक विज्ञापन नहीं बल्कि एक जन-आंदोलन बन गया, जिसने देश के कोने-कोने में चेतना जगाई। उस समय भारत पोलियो के मामलों का प्रमुख केंद्र माना जाता था लेकिन निरंतर प्रयासों और टीकाकरण की शक्ति ने असंभव को संभव कर दिखाया। परिणामस्वरूप, वर्ष 2011 में पश्चिम बंगाल में अंतिम मामला मिलने के बाद 2014 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत को पोलियो मुक्त राष्ट्र घोषित कर दिया। यह उपलब्धि प्रमाणित करती है कि यदि इच्छाशक्ति और टीकाकरण का सही समन्वय हो तो किसी भी महामारी को परास्त किया जा सकता है। टीकाकरण की प्रासंगिकता केवल शिशुओं तक सीमित नहीं है। यद्यपि इसका आरंभ बाल्यकाल की सुरक्षा से होता है परंतु व्यस्क और वृद्धजनों के लिए भी यह उतना ही अनिवार्य है। कोविड-19 वैश्विक महामारी ने इस सत्य को वैश्विक स्तर पर पुनर्स्थापित किया है। 2020 के बाद भारत ने दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चलाकर यह सिद्ध किया कि आधुनिक युग की चुनौतियों का सामना केवल वैज्ञानिक नवाचार से ही संभव है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मत है कि टीकाकरण के लाभ केवल व्यक्तिगत आरोग्य तक सीमित नहीं रहते बल्कि इसका व्यापक सामाजिक और आर्थिक प्रभाव पड़ता है। एक स्वस्थ कार्यबल राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को गति देता है और स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ने वाले अतिरिक्त बोझ को कम करता है। ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में देखें तो भारत में टीकाकरण की जड़ें बहुत गहरी हैं। दस्तावेजी प्रमाण बताते हैं कि 1802 में मुंबई की एक नन्ही बालिका को चेचक का टीका लगाकर इस आधुनिक सुरक्षा चक्र की शुरुआत हुई थी। उसके बाद 1896 में अनिवार्य टीकाकरण अधिनियम का आना और 20वीं सदी के प्रारंभ तक हैजा, प्लेग और टाइफाइड जैसी महामारियों के विरुद्ध टीकों की उपलब्धता ने भारतीय स्वास्थ्य ढांचे को मजबूती प्रदान की। टीकाकरण केवल दवा की बूंद नहीं है बल्कि यह एक स्वस्थ और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण की पहली शर्त है। आज जब हम आधुनिक प्रौद्योगिकियों के युग में जी रहे हैं, तब हमारा यह दायित्व है कि हम भ्रांतियों और अफवाहों को दरकिनार कर टीकाकरण को एक नागरिक कर्तव्य के रूप में अपनाएं। यदि हम 'पूर्ण टीकाकरण' के लक्ष्य को प्राप्त कर लेते हैं तो भविष्य की पीढ़ियों को हम एक रोगमुक्त और निर्भय संसार उपहार में दे सकेंगे। हर साल लाखों जिंदगियां बचाने का यह संकल्प तभी फलीभूत होगा, जब 'सुरक्षा का यह चक्र' समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा।

(लेखिका शिक्षिका हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

ईश्वर की प्राप्ति

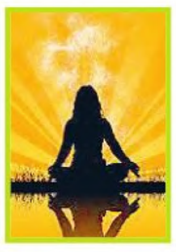

संकलित

दर्शन

जड़ जगत की रचना के लिए ईश्वर की जो शक्ति काम करती है, उसे प्रकृति कहते हैं और चैतन्य जगत की रचना करने वाली शक्ति को जीव कहते हैं। जिस प्रकार दोनों हाथ एक ही शरीर के दो भाग हैं, उसी प्रकार जीव और प्रकृति दोनों ही ईश्वरतत्व के दो अंश हैं। अध्यात्म तत्व के जिज्ञासु जिस ईश्वर की उपासना करते हैं, असल में वह अखिल आद्यशक्ति का सतोगुणी अंश है। मानवीय उन्नति तो सत्व गुणों को प्राप्त करने से ही हो सकती है। इसलिए उन उच्च गुणों की एक मानसिक प्रतिमा बनाकर उपासना करने का विधान किया गया है। ईश्वर का सत्व गुण अदृश्य रूप से हमारे निकट ही वर्तमान है। उसे अधिक मात्र में खींचकर अपने अंदर भर लेने के लिए प्रेम, श्रद्धा, विश्वास और ध्यान अभ्यास की आवश्यकता होती है। इन्हीं चारों के समन्वय को 'उपासना' कहा जाता है। उपासना जितनी ही प्रबल होगी, आकर्षण भी वैसा ही सशक्त होगा और उसी के अनुसार उपास्य देवतत्व की प्राप्ति होगी। प्रेम, दया, करुणा, सहानुभूति, उदारता, त्याग, समता और न्याय आदि सद्गुणों का निष्ठापूर्वक जितना अधिक चिंतन किया जाता है, उतनी अधिक उनकी प्राप्ति होती है। उन्नति का क्रम तम से सत की ओर चलना है। जिसने जितना ही सत्गुण अपने में धारण कर लिया, आध्यात्मिक दृष्टि से वह उतना ही उन्नतिशील कहा जाएगा। यदि एक भक्त सत तत्व की उपासना करता है तो कोई कारण नहीं कि उसे वह प्राप्त न हो। ईश्वर की उपासना का तात्पर्य उसके दिव्य सत तत्व की आराधना है।

दूसरों को कमजोर समझने की गलती न करें

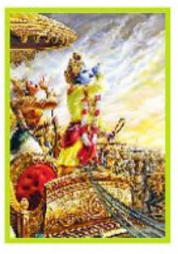

संकलित

प्रेरणा

महाभारत युद्ध में अर्जुन और कर्ण आमने-सामने थे। दोनों दिव्य अस्त्र-शस्त्रों से लड़ रहे थे। जब-जब अर्जुन के तीर कर्ण के रथ पर लग रहे थे तो कर्ण का रथ बहुत पीछे खिसक रहा था। दूसरी ओर जब-जब कर्ण के तीर अर्जुन के रथ पर लगते तो उसका रथ थोड़ा सा ही पीछे खिसकता था। ये देखकर अर्जुन को घमंड हो गया कि उसके बाणों में ज्यादा शक्ति है। अर्जुन ने ये बात श्रीकृष्ण से कही तो भगवान ने कहा कि तुम्हारे बाणों से ज्यादा शक्ति कर्ण के बाणों में है। भगवान की बात सुनकर अर्जुन ने कहा कि ये कैसे संभव है, मेरा रथ तो थोड़ा सा ही पीछे खिसक रहा है। श्रीकृष्ण ने कहा कि तुम्हारे रथ पर मैं स्वयं बैठा हूं, ऊपर ध्वजा पर हनुमान जी विराजित हैं, तुम्हारे रथ के पहिए को शेषनाग ने थाम रखा है। इतना होने के बाद भी कर्ण के बाण ये रथ पीछे खिसक रहा है तो इसका मतलब यही है कि उसके बाणों में ज्यादा शक्ति है। यदि ये न होता तो पता नहीं तुम्हारे रथ की क्या स्थिति होती। ये बात सुनकर अर्जुन को अपनी गलती का अहसास हो गया और उसका घमंड टूट गया। इस कथा में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को सीख दी है कि कभी अपनी शक्ति का घमंड न करें और शत्रु को कमजोर न समझें। यथा स्थिति का अच्छा से अवलोकन करे।

अंतर्मन

आज की पाती

बड़ा बोझ क्यों बन रही शादियां?

भारत में शादी सिर्फ दो लोगों का मिलन नहीं बल्कि एक बड़ा सामाजिक आयोजन भी माना जाता है। यहां शादी में परिवार, रिश्तेदार, दोस्त और पूरा समाज शामिल होता है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में शादियों का स्वरूप बहुत बदल गया है। आजकल कई शादियां इतनी भव्य और महंगी हो गई हैं कि उनमें करोड़ों रुपए तक खर्च किए जाते हैं। बड़े-बड़े होटल, महंगे कपड़े, विदेशी सजावट, मशहूर कलाकारों के कार्यक्रम और कई दिनों तक चलने वाले समारोह अब आम बात हो गए हैं। ऐसी शादियों का सबसे बड़ा प्रभाव गरीब वर्ग पर पड़ता है। जब समाज में अमीर लोग बहुत महंगी शादियां करते हैं तो बाकी लोगों पर भी वैसी ही शादी करने का दबाव बनने लगता है। आर्थिक क्षमता से अधिक खर्च बोझ बन जाता है।

- मनोज जोशी, बिलासपुर

ट्रेंड

जनता देगी जवाब

टीएमसी वालों को यह याद रखना होगा कि उन्होंने केवल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु जी का अपमान नहीं किया है, बल्कि देश के आदिवासी समाज के साथ-साथ करोड़ों महिलाओं के सम्मान को भी ठेस पहुंचाई है। पश्चिम बंगाल की जनता-जनार्दन इसका भरपूर जवाब देगी।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

कांशीराम को मिले भारत रत्न

सरकार से सामाजिक न्याय के महान योद्धा और बहुजन चेतना के मार्गदर्शक कांशीराम को भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग करता हूं। यह सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान कांशीराम के साथ उस पूरे आंदोलन को श्रद्धांजलि होगी जिसने करोड़ों बहुजनों को हक और आत्मसम्मान की राह दिखाई।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

ब्याज-मुक्त ऋण

युवा शक्ति ही सशक्त राजस्थान की असली पहचान है। उनके सपनों को नई उड़ान देने के लिए हमारी सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है। युवाओं को स्वरोजगार के लिए ब्याज-मुक्त ऋण दिया जा रहा है।

- भजनलाल शर्मा, सीएम, राजस्थान

डबल इंजन सरकार

कुछ साल पहले किसने सोचा होगा कि असम के हर जिले में ब्रह्मपुत्र नदी पर पुल होगा, हर जिले में मेडिकल कॉलेज और एक्स होंगे, एक पानी के नीचे सुरंग होगी और भी बहुत कुछ। डबल इंजन सरकार ने इन सभी को हकीकत बना दिया है।

-हिमंता बिस्वा सरमा, सीएम, असम

करंट अफेयर

हमलों के बाद 'काली बारिश' से ईरान की जनता को खतरा

अमेरिका व इजराइल के ईरान के तेल भंडारों पर किये गये हवाई हमलों कारण उठे जहरीले धुएं के बादल धरती पर 'काली बारिश' हुई। अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने इसके मद्देनजर जनता के लिए गंभीर खतरों की चेतावनी जारी की है। पिछले हफ्ते ईरान के कई तेल डिपो और एक रिफाइनरी पर हमले के बाद तेहरान के पास काली और तैलीय बारिश हुई, जिससे राजधानी के निवासियों ने आंखों में जलन और सांस लेने में तकलीफ की शिकायत की। दो सप्ताह से जारी युद्ध के दौरान क्षेत्र के अन्य हिस्सों में भी काले धुएं के गुबार देखे गए। ईरान भी फारस की खाड़ी के पड़ोसी देशों के तेल और प्राकृतिक गैस भंडारों पर ड्रोन व मिसाइलों से हमला कर अमेरिकी-इजराइली हवाई हमलों का जवाब दे रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक, बारिश अपेक्षाकृत कम समय में वायुमंडल से खतरनाक रसायनों को साफ कर देती है लेकिन काली बारिश के संपर्क में आने वाले लोगों को अल्पकालिक और दीर्घकालिक स्वास्थ्य जोखिमों से बचने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए। यह तब होता है, जब राख और जहरीले रसायन वायुमंडल में पानी की बूंदों के साथ मिलकर बारिश के दौरान वापस पृथ्वी पर गिरते हैं। तेल रिफाइनरियों या तेल क्षेत्रों में आग लगने के बाद यह आम बात है।

ऑफ बीट

ब्रह्माण्ड स्वयं को क्यों खंडित कर रहा है?

ब्रह्मांड किससे बना है? यह प्रश्न सैकड़ों वर्षों से खगोलविदों को उद्वेलित करता रहा है। पिछली एक चौथाई सदी से, वैज्ञानिकों का मानना है कि परमाणु और अणु जैसी 'सामान्य' चीजें जो आपको, मुझे, पृथ्वी और लगभग हर चीज को बनाती हैं जिसे हम देख सकते हैं, ब्रह्मांड का केवल 5 प्रतिशत हिस्सा है। अन्य 25 प्रतिशत 'डार्क मैटर' है, एक अज्ञात पदार्थ जिसे हम देख नहीं सकते हैं लेकिन हम यह पता लगा सकते हैं कि यह गुरुत्वाकर्षण के माध्यम से सामान्य पदार्थ को कैसे प्रभावित करता है। ब्रह्मांड का शेष 70 प्रतिशत भाग 'डार्क एनर्जी' से बना है। 1998 में खोजा गया, यह ऊर्जा का एक अज्ञात रूप है जिसके बारे में माना जाता है कि यह ब्रह्मांड का लगातार बढ़ती दर से विस्तार कर रहा है। एस्ट्रोनॉमिकल जर्नल में जल्द ही प्रकाशित होने वाले एक नए अध्ययन में, हमने डार्क एनर्जी के गुणों को पहले से कहीं अधिक विस्तार से मापा है। हमारे नतीजे दिखाते हैं कि यह एक काल्पनिक वैक्यूम ऊर्जा हो सकती है जिसके बारे में सबसे पहले आइंस्टीन ने प्रस्तावित किया था - या यह कुछ अजीब और अधिक जटिल हो सकता है जो समय के साथ बदलता रहता है। एक सदी पहले जब आइंस्टीन ने सापेक्षता का सामान्य सिद्धांत विकसित किया।

अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय में बेहतर सुविधाएँ

-गरीब छात्रों के लिए सरकारी पहल

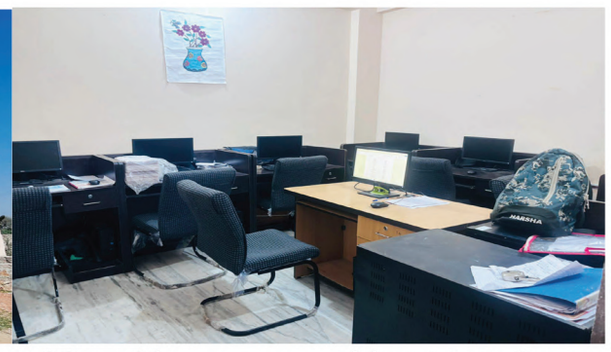

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सरकार की ओर से संचालित अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालयों का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को बेहतर शिक्षा और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है। इन विद्यालयों में विशेष रूप से अल्पसंख्यक समुदाय के ऐसे बच्चों को मौका दिया जाता है जो संसाधनों की कमी के कारण अच्छी पढ़ाई से वंचित रह जाते हैं। यहां कक्षा 6, 7 और 8 के छात्र पढ़ाई करते हैं और उन्हें रहने-खाने से लेकर पढ़ाई तक की पूरी सुविधा एक ही परिसर में उपलब्ध कराई जाती है। इस व्यवस्था का मकसद यह है कि बच्चे बिना किसी आर्थिक दबाव के पढ़ाई पर पूरा ध्यान दे सकें।

इंग्लिश मीडियम में पढ़ाई:-

इस आवासीय विद्यालय की खास बात यह है कि यहां बच्चों को इंग्लिश मीडियम में पढ़ाई कराई जाती है। पढ़ाई के साथ-साथ ऑनलाइन क्लासेस की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इसके लिए विद्यालय में एलईडी स्क्रीन लगाई गई है, जिसके माध्यम से बच्चे ऑनलाइन लेक्चर और शैक्षणिक सामग्री देख सकते हैं। इससे बच्चों को आधुनिक शिक्षा प्रणाली से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि वे भविष्य में बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें।

मनोरंजन और खेल की सुविधाएँ:-

विद्यालय में बच्चों की पढ़ाई के साथ उनके मानसिक विकास और मनोरंजन का भी पूरा ध्यान रखा गया है। बच्चों के लिए हफ्ते में एक बार मूवी दिखाई जाती है, ताकि पढ़ाई के बीच उन्हें मनोरंजन का भी मौका मिले। इसके अलावा चारों ओर खेत होने की वजह से यहां वाहनों की आवाजाही बहुत कम है, जिससे बच्चों की सुरक्षा भी सुनिश्चित रहती है।

खाने-पीने और रहने की बेहतर व्यवस्था:-

विद्यालय में बच्चों के लिए रहने और खाने की व्यवस्था भी काफी अच्छी बताई जाती है। भोजन घर जैसा बनाने की कोशिश की जाती है और हर हफ्ते अलग-अलग प्रकार की डाइट दी जाती है। विशेष दिनों पर दाल-बाटी-चूरमा, लड्डू-बाटी जैसी पारंपरिक डिशेज भी शामिल की जाती हैं। यदि बच्चे कोई खास खाने की फरमाइश करते हैं तो उसे भी पूरा करने का प्रयास किया जाता है। सोने के लिए साफ-सुथरे कमरे, गद्दे और अन्य जरूरी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं।

कंप्यूटर लैब से डिजिटल शिक्षा:-

विद्यालय में बच्चों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए कंप्यूटर लैब की भी व्यवस्था की गई है। यहां कंप्यूटर के माध्यम से छात्रों को बेसिक डिजिटल शिक्षा दी जाती है, जिससे वे पढ़ाई के साथ-साथ तकनीकी ज्ञान भी हासिल कर सकें।

पढ़ाई के साथ आर्थिक सहायता:-

अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ आर्थिक सहायता भी दी जाती है। छात्रों को हर साल करीब 1800 रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराई जाती है, ताकि उनकी छोटी-मोटी जरूरतें पूरी हो सकें। पढ़ाई, रहने, खाने और कपड़ों की सुविधा मुफ्त होने के कारण गरीब परिवारों के बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने में काफी मदद मिलती है। इस तरह की व्यवस्था से कई जरूरतमंद छात्रों के लिए शिक्षा का रास्ता आसान हो रहा है।

जुमातुल विदा पर जौहरी बाजार जामा मस्जिद में नमाजियों की उमड़ी भीड़

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। रमज़ान के मुकद्दस महीने के आख़िरी अशरे में आने वाले जुमातुल विदा को लेकर शहर के पुराने इलाके में खास रौनक देखने को मिली। जौहरी बाजार स्थित जामा मस्जिद में नमाज़ अदा करने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। सुबह से ही मस्जिद के आसपास नमाज़ियों की आवाजाही बढ़ने लगी थी और दोपहर तक पूरा इलाका इबादत के माहौल में नजर आया। जुमातुल विदा की अहमियत को देखते हुए शहर के अलग-अलग हिस्सों से रोज़ेदार जामा मस्जिद पहुंचे और नमाज़ में शरीक हुए।

मस्जिद परिसर और बाजार क्षेत्र में बढ़ी हलचल:-

जुमातुल विदा की नमाज़ के दौरान जौहरी बाजार और बड़ी चौपड़ के आसपास का इलाका काफी व्यस्त दिखाई दिया। मस्जिद के भीतर और बाहर नमाज़ियों की कतारें लगीं और बड़ी संख्या में लोग इबादत में शामिल हुए। बड़ी चौपड़ जयपुर के प्रमुख धार्मिक और व्यावसायिक इलाकों में से एक है, इसलिए नमाज़ के समय यहां लोगों की मौजूदगी काफी अधिक रही। आसपास के बाजारों और रास्तों पर भी हलचल बनी रही।

पुलिस प्रशासन रहा अलर्ट मोड पर:-

जुमातुल विदा की नमाज़ को देखते हुए पुलिस और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर नजर आया। सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए आसपास के इलाकों में बैरिकेडिंग की गई थी और नमाज़ के दौरान कुछ समय के लिए आवाजाही को नियंत्रित किया गया। नमाज़ियों की सुविधा के लिए पानी की व्यवस्था भी की गई। प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिसकर्मियों की मौजूदगी पूरे समय बनी रही ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था या दुर्घटना की स्थिति न बने।

मेट्रो स्टेशन के पास दिखी गंगा-जमनी तहज़ीब:-

जुमातुल विदा की नमाज़ के दौरान बड़ी चौपड़ मेट्रो स्टेशन के पास आपसी सौहार्द और गंगा-जमनी तहज़ीब की झलक देखने को मिली।

नमाज़ के समय जब रास्तों पर आवाजाही कुछ देर के लिए रुकी हुई थी, तब वहां मौजूद कुछ हिंदू महिलाएँ मेट्रो स्टेशन के पास खड़ी रहीं और नमाज़ खत्म होने का इंतजार करती नजर आईं। वे शांतिपूर्वक अपनी बारी का इंतजार करती रहीं कि नमाज़ पूरी होने के बाद ही आगे बढ़ेंगी। नमाज़ खत्म होने तक वे वहीं खड़ी रहीं और उसके बाद रास्ता खुलने पर अपने घरों की ओर रवाना हुईं। यह दृश्य शहर में आपसी सम्मान और भाईचारे की मिसाल के रूप में देखा गया।

अमन-चैन और विश्व शांति के लिए की गई दुआ:-

जुमातुल विदा की नमाज़ के बाद नमाज़ियों ने देश में अमन-चैन, भाईचारे और खुशहाली के लिए दुआ की। इसके साथ ही पूरे देश की तरक्की और सलामती की कामना की गई। दुआ में दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे युद्ध और तनाव के खत्म होने तथा विश्व में शांति कायम होने की भी प्रार्थना की गई। नमाज़ियों ने इंसानियत, एकता और आपसी सौहार्द कायम रहने की दुआ के साथ इबादत का समापन किया।

मदरसों और छात्रावासों में गूंजा सत्य-अहिंसा का संदेश, उत्साह से मनाया गया 'तीर्थंकर दिवस'

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जिले के मदरसों, आवासीय विद्यालयों, छात्रावासों एवं अल्पसंख्यक दर्जा प्राप्त शिक्षण संस्थानों में 'आओ पहचानें भारतीय संस्कृति को' कार्यक्रम के तहत जैन धर्म के प्रवर्तक भगवान ऋषभदेव जी का जन्म एवं दीक्षा कल्याणक (ऋषभ नवमी) 'तीर्थंकर दिवस' के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति और महापुरुषों के संदेशों को करीब से जाना। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अभिषेक सिद्ध ने बताया कि जयपुर के शास्त्री नगर, हसनपुरा, ईदगाह, चार दरवाजा, आमेर के साथ-साथ चाकसू, किशनगढ़ रेनवाल, शाहपुरा, गोविंदगढ़ और नरेना (नारायणा) स्थित मदरसों में विशेष कार्यक्रम आयोजित हुए। इसके अलावा मानसरोवर स्थित बालिका छात्रावास, झोटवाड़ा के बालक छात्रावास और जगतपुरा के आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने भी इसमें उत्साहपूर्वक भाग लिया।

दी गई सत्य, अहिंसा और पर्यावरण संरक्षण की शिक्षा:-

आयोजनों में विद्यार्थियों को भगवान ऋषभदेव के जीवन दर्शन से अवगत कराते हुए सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह, संयम और तप के महत्व को समझाया गया। सामाजिक एवं सांस्कृतिक पुनरुत्थान, जीव दया, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रीय एकता में उनकी भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया। विद्यार्थियों को रोचक तरीके से जानकारी देने के लिए स्मार्ट क्लास का उपयोग किया गया, जहां उन्हें भगवान ऋषभदेव की जीवनी पर आधारित लघु फिल्म और वीडियो दिखाए गए। कार्यक्रम के अंत में पेंटिंग और क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। इसमें बच्चों ने भगवान ऋषभदेव के प्रतीक चिन्हों और उनकी शिक्षाओं को अपनी चित्रकला के माध्यम से बेहतरीन ढंग से उकेरा।

फिरदौस मस्जिद विवाद थमा नहीं, अब मक्का मस्जिद के मदरसा तालीमुल कुरान पर कब्जे का आरोप

-मक्का मस्जिद बंदा बस्ती के मदरसा तालीमुल कुरान पर कब्जे के आरोप

जावेद अख्तर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के शास्त्री नगर थाना क्षेत्र के नहरी का नाका, बंदा बस्ती स्थित मक्का मस्जिद के पास बने मदरसा तालीमुल कुरान को लेकर स्थानीय लोगों ने गंभीर सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि यह मदरसा इलाके के बच्चों को दीनी तालीम देने के लिए बनाया गया था, लेकिन पिछले कई वर्षों से यहां पढ़ाई लगभग बंद पड़ी है।

मदरसे की जमीन पर कब्जे के आरोप:-

स्थानीय लोगों का आरोप है कि मदरसे के पास की जमीन पर पूर्व पार्षद के भाई लियाकत अली पठान और मोहसिन पठान (मोसिन टेंट वाला) ने कब्जा कर रखा है। बताया जाता है कि यहां टेंट का सामान रखा जाता है और उसी जगह का इस्तेमाल शादी-समारोह के लिए किया जा रहा है। हर शादी से करीब 7 हजार रुपये लिए जाने की बात सामने आ रही है।

आमदनी के हिसाब को लेकर उठे सवाल:-

इलाके के लोगों का कहना है कि अगर साल में औसतन करीब 30 शादियां होती हैं और एक शादी से लगभग 7 हजार रुपये लिए जाते हैं, तो एक साल में करीब 2 लाख 10 हजार रुपये की आमदनी बनती है। लोगों के अनुसार मदरसा बंद हुए करीब 10 साल से अधिक समय हो चुका है। ऐसे में अनुमान के अनुसार करीब 20 लाख रुपये से ज्यादा की रकम बनती है। स्थानीय लोगों ने सवाल उठाया है कि यह पैसा आखिर कहां गया और इसका हिसाब किसके पास है।

पहले भी उठी थी आवाज, हमला होने का आरोप:-

स्थानीय लोगों के अनुसार इससे पहले भी नाजिम नाम के युवक ने इस मुद्दे को उठाया था। आरोप है कि उस समय करीब 30–35 लोगों ने उसके घर पर हमला कर दिया था, जिसके बाद इलाके में डर का माहौल बन गया था।

मदरसे की कमेटी और प्रबंधन पर उठ रहे सवाल:-

स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले मदरसे की देखरेख मुफ्ती वाजिद साहब करते थे, लेकिन बाद में उन पर आरोप लगाकर उन्हें हटा दिया गया। इसके बाद अलग-अलग समय में बनी कमेटियों के कामकाज को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि मदरसे से जुड़ी आमदनी और प्रबंधन को लेकर पारदर्शिता की जरूरत है।

मदरसा बंद, इमारत भी जर्जर हालत में:-

स्थानीय निवासियों का कहना है कि मस्जिद और मदरसे की जो तामीर पहले हुई थी, उसके बाद यहां कोई खास विकास कार्य नहीं हुआ। इमारत आज भी लगभग उसी हालत में है और कई जगह खिड़कियां व दरवाजे टूटे हुए बताए जा रहे हैं।

स्थानीय युवक ने उठाई आवाज, युवक का बयान:-

मामले को लेकर आवाज उठाने वाले स्थानीय युवक सद्दाम मसूरी ने बताया कि वह इसी इलाके का रहने वाला है और बचपन से ही मदरसा तालीमुल कुरान से जुड़ा रहा है। उसके अनुसार यह मदरसा इलाके के बच्चों को दीनी तालीम देने के लिए बनाया गया था और एक समय यहां अच्छी संख्या में बच्चे पढ़ते थे। सद्दाम के मुताबिक यहां लड़कों के लिए हिफ्ज़ की तालीम होती थी और हर साल करीब 8–9 लड़के हाफिज बनकर निकलते थे। वहीं लड़कियों के लिए भी अलग मदरसा चलता था, जहां हर साल करीब 5–7 लड़कियां आलिमा बनकर अपनी पढ़ाई पूरी करती थीं। सद्दाम का कहना है कि समय के साथ यह सारी गतिविधियां बंद हो गईं और मदरसा लगभग बंद पड़ा है। उनका आरोप है कि मदरसा बंद होने के बाद इलाके के माहौल पर भी असर पड़ा है। उनके मुताबिक अब मोहल्ले में नशे की समस्या बढ़ गई है और कई जगह गांजा और चरस जैसे नशे खुलेआम इस्तेमाल होते दिखाई देते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इलाके में पुलिस की गश्त भी बहुत कम होती है। सद्दाम का कहना है कि अगर मदरसा फिर से शुरू हो और बच्चों को तालीम मिले तो इलाके का माहौल बेहतर हो सकता है।

समर्थ फ़ाउंडेशन की ओर से रोज़ा इफ्तार

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । समर्थ फ़ाउंडेशन द्वारा 15 मार्च रविवार को जयपुर के स्वामी कुमारानन्द भवन, हाथरोई में रोज़ा इफ्तार का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता फिलिस्तीन के राजदूत एच.ई. अब्दुल्ला एम. अबू शावेश थे, विशेष अतिथि विनीत तिवारी (राष्ट्रीय सचिव प्रगतिशील लेखक संघ) व डॉ. जया मेहता (वरिष्ठ अर्थ शास्त्री) थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अरुणा रॉय (सामाजिक कार्यकर्ता, एमेरिट्स, नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन वूमेन) ने की। कार्यक्रम में शहर के गणमान्य लोगों में नेशनल वुमेन वेलफ़ेयर सोसाइटी के अध्यक्ष निशात हुसैन भी मौजूद थीं, कार्यक्रम में अरुणा रॉय (सामाजिक कार्यकर्ता, एमेरिट्स, नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन वूमेन) द्वारा निशात हुसैन का विशेष आभार व्यक्त किया गया।

सावित्री बाई फुले को भारत रत्न देने की मांग

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। माता सावित्री बाई फुले को पुण्यतिथि पर राष्ट्रीय बौद्ध महासभा और भारतीय बौद्ध महासभा के नेतृत्व में 10 मार्च 2026 को जयपुर कलेक्टर को महामहिम राष्ट्रपति महोदया के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन सौंपते समय राष्ट्रीय बौद्ध महासभा के राष्ट्रीय समन्वयक इंजीनियर डी पी गोलिया बौद्ध, प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान जी एल आर्या, मान उत्तम सिंह राणा, एड रघुनाथ बौद्ध मान, प्रमोद कुमार दिवाकर, एस बी जाटव, महेश महोबिया सहित कई उपासक उपस्थित रहे। डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी (IAS) कलेक्टर ने ज्ञापन राष्ट्रपति महोदया को भेजने का आश्वासन दिया। समिति ने माता सावित्री बाई फुले पुण्य तिथि को भारत रत्न देने, बौद्धगया BTC ACT 1949रद्द करने, पाली भाषा को छठी अनुसूची में शामिल करने, और सावित्री बाई फुले को शिक्षा संस्थानों में पढ़ाए जाने की मुख्य मांग को प्रस्तुत किया गया है।

समर्पण संस्था के 16 वें रक्तदान शिविर में 88 युनिट रक्त एकत्रित

-जीवन बचाने का महत्वपूर्ण उपहार है रक्तदान - बी एस रावत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मानवता व परोपकार के लिए समर्पित समर्पण संस्था द्वारा रावत पब्लिक स्कूल प्रताप नगर में आयोजित 16वें रक्तदान शिविर में कुल 88 युनिट रक्त एकत्रित हुआ।शिविर में सवाई मानसिंह चिकित्सालय ब्लड बैंक द्वारा 40, राजकीय जयपुरिया हॉस्पिटल ब्लड बैंक द्वारा 22 व स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक द्वारा 26 युनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि रावत एज्युकेशनल ग्रुप के चेयरमैन बी.एस. रावत ने संस्था पदाधिकारियों के साथ फ़ीता काटकर किया। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष आर्किटेक्ट डॉ. दौलत राम माल्या ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। सेमिनार में मुख्य अतिथि बी.एस. रावत ने कहा कि रक्तदान जीवन बचाने का महत्वपूर्ण उपहार है। एक व्यक्ति के रक्तदान से तीन व्यक्तियों की जान बचाई जा सकती है। हर स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रक्तदान करना चाहिए। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि आईएएस डॉ. नीरज के. पवन ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन कर स्वयं ने भी रक्तदान किया। शिविर में रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं को संस्था की तरफ से प्रशंसा पत्र भेंट कर सम्मानित किया। मंच संचालन शिक्षिका मोनिका खण्डेलवाल ने किया। इस अवसर संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष व सेवानिवृत्त आईआरएस सी.एल. वर्मा, सचिव कमल नयन खण्डेलवाल, उपाध्यक्ष बनवारी लाल मेहरड़ा सहित संस्था के पदाधिकारी एवं गणमान्य लोगों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया।

कुरान पूरा होने से ख़ुश हुए रोजेदार, मस्जिदें हुई रोशन

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। 26 वें रोजे को कुरान पूरा होने की ख़ुशी में कस्बे की 10 मस्जिदों को आकर्षक व मनमोहक विद्त लाइटों से सजाया गया साथ ही इन मस्जिदों के कुरान हफीज़ो को इनामात से नवाजा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रमजान मुबारक के पवित्र माह में रात्रि को ईशा की नमाज़ के बाद में तरावीह की नमाज़ में पूरा कुरान कंठस्थ (बिना कुरान देखे) सुनाने वाले कुरान हफीज़ो, पेश इमाम व मौजन को आज सम्मानित किया गया। पूरा कुरान होने की ख़ुशी मनाई गई कुरान हफीज़ो, पेश इमाम व मौजन को मालाएं पहनाई गई कपडे दिए गए कई स्थानों पर सांफ़ा बंधवाया कर सम्मानित किया गया। इसी के साथ मे फ़ातेहा की रस्म की अदायगी हुई इस दौरान अजवायन नमक व मिठाइयां आदि वितरण की गई । ऐसा बताया जाता हैं कि कुरान पढ़ा हुआ पानी अजवायन और नमक से जिस्म की कई बीमारियां ठीक हो जाती हैं। सम्पूर्ण रात्रि इबादत की गई इसमे कुरान व नमाज पढ़ी गई तथा जिक्र कर अपने गुनाहों की माफ़ी मांगी गई और सदैव नेकी के कार्य करते रहने की तमन्नाएं की गई। इसी के साथ मे मुस्लिम कब्रस्तानो में जाकर अपने बुजुर्गानेद्दीन की कब्र पर जाकर फूल, इत्र, अगरबत्ती आदि पेश की गई इसी के साथ मे कुरान की सूरते पढ़कर बुजुर्गानेद्दीन की मग़फ़िरत की दुआएं की गई।

सफाई के दावों की खुली पोल: आदर्श नगर का वार्ड 99 गंदगी के ढेर पर, बदबू और उफनते चेंबरों से जनता बेहाल

हरि चौधरी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। गुलाबी नगरी को इंदौर की तर्ज पर साफ-सुथरा बनाने के नगर निगम के तमाम दावे धरातल पर फेल होते नजर आ रहे हैं। सफाई व्यवस्था में नंबर बढ़ाने का दंभ भरने वाला निगम अब खुद अपनी लापरवाही के दलदल में फंस गया है। ताज़ा मामला आदर्श नगर ज़ोन के वार्ड नंबर 99 का है, जहाँ स्थिति इतनी भयावह है कि गलियों में कचरे का साम्राज्य है और सीवरेज के चेंबर सड़कों पर उफन रहे हैं।

रमजान में रोजेदार परेशान, मस्जिद के सामने गंदगी का अंबार:-

स्थानीय निवासी मोहम्मद हनीफ खान ने बताया कि इस समय पवित्र रमजान का महीना चल रहा है, लेकिन मस्जिद के ठीक सामने गंदगी और मलबे का ढेर लगा है। रोजेदारों को मस्जिद जाने के लिए गंदे पानी और कचरे के बीच से गुजरना पड़ रहा है। भीषण गर्मी और गंदगी के कारण इलाके में बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है, लेकिन निगम प्रशासन कुंभकर्णी नींद सोया हुआ है।

चेंबरों से निकल रहा है 'जहर', नरकीय जीवन जीने को मजबूर लोग:-

वार्ड नंबर 99 की गलियों में सीवरेज चेंबर पूरी तरह चोक हो चुके हैं। स्थिति यह है कि गंदा पानी सड़कों पर बुलबुलों के साथ बाहर निकल रहा है, जिससे पूरे मोहल्ले में असहनीय बदबू फैली हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वे कई बार पार्षद माया निवाल और निगम कार्यालय में शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अधिकारियों के कान पर जूं तक नहीं रेंगती।

निगम अधिकारियों की 'नो कमेंट' वाली नीति:-

जब इस समस्या को लेकर मीडिया की टीम आदर्श नगर ज़ोन कार्यालय पहुँची, तो वहाँ का नज़ारा और भी चौंकाने वाला था। दो दिनों तक लगातार ज़ोन उपायुक्त (DC) राजेंद्र जी कार्यालय से नदारद मिले। फोन करने पर उन्होंने कॉल उठाना तक मुनासिब नहीं समझा। कार्यालय में मौजूद अन्य अधिकारियों ने समस्या समाधान का खोखला आश्वासन तो दिया, लेकिन कैमरे पर कुछ भी बोलने से साफ इनकार कर दिया।

जनता के सवाल—कहाँ जा रहा है सफाई का बजट?:-

स्थानीय निवासी इमरान और अन्य युवाओं ने बताया कि कचरा संग्रहण वाली गाड़ियाँ गलियों के अंदर आती ही नहीं हैं। अगर कभी आती भी हैं, तो मुख्य सड़क से निकल जाती हैं। मोहल्ले वालों का आरोप है कि सफाई के नाम पर पास होने वाला भारी-भरकम बजट आखिर किसकी जेब में जा रहा है?

वार्ड की मुख्य समस्याएं:-

अनियमित कचरा संग्रहण: हफ्तों तक कचरा उठाने वाली गाड़ियाँ नहीं पहुँचतीं। चोक सीवरेज: चेंबर ओवरफ्लो होकर सड़कों पर बह रहे हैं। अधिकारियों की बेरुखी: शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं। स्वास्थ्य का खतरा: गंदगी और दूषित पानी से संक्रामक रोगों का डर।

गौरी इलेक्ट्रॉनिक टीम द्वारा रोजा इफ्तार की दावत में देश-प्रदेश के लिए अमन चैन की दुआएं की

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर नई सड़क स्थित गोरी इलेक्ट्रॉनिक गोरी इन्वेंट द्वारा रोजा इफ्तार की दावत रखी गई जिसमें काफी संख्या में रोजेदार व सर्व समाज के लोगों ने शिरकत की ओर देश और प्रदेश के लिए अमन- चैन की दुआएं की, रमज़ान के पवित्र महीने में रोज़ा इफ्तार सूर्यास्त के समय रोज़ा खोलने की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और खुशी की रस्म है। दिनभर भूखे-प्यासे रहने के बाद, मुसलमान रोजेदार खजूर, पानी और स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ इफ्तार करते हैं। इफ्तार से पहले दुआ पढ़ना और सामूहिक रूप से रोजा खोलने भाईचारे को बढ़ाता है। इफ्तार का समय मग़रिब की अज़ान (सूर्यास्त) के साथ शुरू होता है। पैगंबर मुहम्मद साहब के अनुसार, रोज़ा खजूर या पानी से खोलना सुन्नत है। रोजा इफ्तार की दुआ: हाजन

मस्जिद के इमाम मौलाना तोफेल अहमद ने पढ़ाई "अल्लाहुम्मा इन्नी लाका सुमतु व बिका आमन्तु व अलैका तवक्कलतु व अला रिज़्क़िका आफतारतु" (हे अल्लाह, मैंने तेरे लिए रोज़ा रखा और तेरे रिज़्क से इफ्तार किया) रोजा इफ्तार में हारून गोरी,अख्तर रसुल एडवोकेट, आसिफ खान युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष, इस्माइल चौहान, मोहम्मद रफीक चौहान, आवेश खान, अलादीन खान, हारून रशीद, जाकिर गोरी आदि रोजा इफ्तार में सदभावना भाईचाराः का संदेश देते हैं । जिससे समुदाय में एकता और करुणा की भावना मजबूत होती है। इफ्तार सिर्फ भोजन नहीं, बल्कि अल्लाह के करीब आने और रोज़े की इबादत को मुकम्मल करने का एक अनमोल अवसर है। इफ्तार पार्टी कार्यकर्ता एवं गोरी इन्वेंट, के सोहेल गोरी, आदिल गोरी, आसिफ, एजाज, अली हसन, साजिद गौरी, आजम, मोहम्मद जावेद, बिलाल, इरफान, मोहम्मद खलील, आदि सैकड़ो की संख्या में लोगों ने रोजा इफ्तार किया। और देश विदेश के लिए अमन-चैन -शांति की दुआए की।

अकीदत व एहतराम से मनाई गई इबादत की रात शबे कद्र

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। मुस्लिम समाज ने जिलेभर में रमजान उल मुबारक महीने के आखरी अशरे की इबादत की महत्वपूर्ण 5 रातो में से एक रात 27 वी रात मुस्लिम समाज ने बड़े ही अक़ीदत ओर एहतराम से सोमवार को मनाई। मुस्लिम मोहल्ले इबादत की इस रात को रोशनी से जगमग रहे और मोमिनो द्वारा शहरभर की एक मस्जिद से दूसरी मस्जिद की दूरी तय कर नफिल नमाज अदा कर शबेक़द्र की इबादत की। पाली जिला मुस्लिम समाज के प्रवक्ता शकील अहमद नागौरी ने बताया की आज शबे कद्र की रात को पाली शहर में विभिन्न मस्जिदों में कई कार्यक्रम आयोजित हुए जिसमे कई मस्जिदों में नात ख्वानी ,तकरीर तिलावते कुरान करके मोमिनो ने इबादत की वही घरो में महिलाओ द्वारा मिलाद नात ख्वानी कुरान पढ़ नफिल नमाज अदा कर इबादत की गई। इस अवसर पर बुलबुले राजस्थान मोहम्मद शरीफ रिजवी, की कयादत में मोहम्मद फ़िरोज हशमती, मोहम्मद फ़िरोज अशरफी, मोहम्मद तौसीफ रजा , हाफिज मोहम्मद जावेद, रमजान के जी ऐन, व् मोहम्मद रमजान जियाई, ने बेहतरीन अंदाज में नातिया कलाम पेश कर मोमिनो को झूमने पर पर मजबूर कर दिया इस कार्यक्रम में पाली शहर की कई मस्जिदों में तकरीर नमाज नफिल व् तिलावते कुरान पढ़ कर के शबे कद्र की रात को इबादत की व रमजान उल मुबारक मस्जिदों में तरावीह नमाज में कुरान का सम्पूर्ण पठन होने पर सभी मस्जिदों में मोमिनो द्वारा मस्जिदों के पेश इमाम का गुलपोशी व दस्तारबंदी कर इस्तकबाल किया व नज़राना पेश किया व मोमिनो ने पेश इमाम को घरों तक पहुँचा कर सम्मानित किया ।

मुस्लिम समाज सदर मोहम्मद हकीम भाई ने बताया रातभर की इबादत के बाद मोमिनो ने अल सुबह फज्र की नमाज अदा की व् देश प्रदेश में अमन चैन व् खुशहाली व् अल्लाह की बारगाह में दामन फेला कर देशवासियों को मुसीबतों ,आफत , बलाओ से महफूज रखने के साथ देश प्रदेश में अमन चैन भाईचारा सद्भावना बनाए रखने के साथ जिले व प्रदेश में अगले मानसून में अच्छी रहमत वाली बारिश के लिए विशेष रूप से दुआऐं मांगी गई अंत में सलातो सलाम का नजराना पेश किया। मस्जिद घोसीयान के पेश इमाम मौलाना हाफिज मोहमद यूसफ़ ने बताया की रमजानुल मुबारक के आखरी अशरे में 20 रमजान से आखरी 10 रातो में एक रात शबे कद्र की रात की होती है । और रिवायतों से साबित है की रमजान की 21,23,25,27,व्29, वी रात में से कोई न कोई एक रात शबे कद्र की रात है। यह अल्लाह तआला का अपने हबीब पर करम है की आपके उम्मती शबे कद्र की एक रात इबादत करे तो उसका शवाब पहली उम्मत के हजार महीनो की इबादत से ज्यादा हो यही वो रात है जिसमे फ़रिश्ते और जिब्रईल अमीन जमीन पर उतरते है और जो बन्दा जमीन पर खड़ा या बैठा यादे इलाही में मशगूल होता है उसको सलाम करते है और उसके हक में दुआ व् इस्तिग़फ़ार करते है यही वो रात जिसमे ईमान वालो के लिए बलाओं से सलामती की दुआ करते है। मुस्लिम मोहल्लों में जगह जगह रौनक रही प्यारा चौक, मस्तान बाबा, मुस्लिम मुसाफिर खाना, कादरिया चौक, नवलखा रोड, जंगीवाड़ा, नाड़ी मोहल्ला, आशापुरा नगर, राम रहीम, कोलानी, हैदर कोलानी गरीब नवाज कोलानी, कालू कोलानी, इंद्रा कोलानी सहित मुस्लिम मोहल्लों में बच्चो व युवाओं की इबादत की रात एक मस्जिद से दूसरी मस्जिद नफिल नमाज अदा करने पहुचने के कारण रात भर रौनक रही वही जगह जगह झूले व बच्चों के खाने पीने के स्टॉल व खिलौने की दुकानों पर खरीदारी करने के लिए भीड़ भाड़ रही।

लक्ष्मणगढ़ में गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

लक्ष्मणगढ़/सीकर (रॉयल पत्रिका)। घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों के खिलाफ आज लक्ष्मणगढ़ उपखंड कार्यालय के सामने कांग्रेस कमेटी की ओर से विरोध प्रदर्शन कर पुतला दहन किया गया। सीकर कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुनीता गिठाला के नेतृत्व में लक्ष्मणगढ़ कांग्रेस कमेटी द्वारा लक्ष्मणगढ़ कार्यालय के सामने घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों को लेकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की । सीकर कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुनीता गिठाला ने कहा कि देश में महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है वहीं अब लगातार गैस की किल्लत होने के चलते हर वर्ग परेशान हो चुका

है। केंद्र सरकार द्वारा रसोई गैस की कीमत बढ़ाकर आम गरीब परिवार पर बोझ डाला गया है। ओर देश की स्वतंत्र विदेश नीति का हरण हो रहा है। इस मौके पर लक्ष्मणगढ़ ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राकेश सिहाग, नरेंद्र बाटड़, नेछवा ब्लॉक के कपिल शर्मा, लक्ष्मणगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष पवन कुमार सैनी, मुकेश कुमार घस्सु, बनवारी लाल पाण्डेय, मुकेश कुमार मानासी सहित अनेक कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे।

5 साल की हुजेफ ने रखा पहला रोज़ा

पाली (रॉयल पत्रिका)। रमज़ान के मुक़द्दस महीने की रूहानी फ़िज़ाओं में आस्था और सब्र का एक नूरानी मंज़र उस वक़्त देखने को मिला, जब पाली निवासी मोहम्मद युसूफ के मासूम पोते और मोहम्मद तौसिफ बेलिम के पुत्र महज़ 5 साल के नन्हे हुजेफ ने रमज़ान के मुक़द्दस महीने में रोज़ा रखकर खुदा की इबादत की। इतनी कम उम्र में सब्र, परहेज़ और आस्था का यह खूबसूरत नमूना न सिर्फ़ परिवार के लिए फ़ख्र का सबब बना, बल्कि समाज के लिए भी एक नर्म लेकिन गहरी प्रेरणा छोड़ गया। हुजेफ ने नन्ही सी उम्र, नाज़ुक बदन, मगर हौसले और ईमान की मज़बूती इस तरह पेश की कि बड़ों को भी हैरत में डाल दिया। भूख और प्यास की आज़माइश के बावजूद फ़लक़ के चेहरे पर शिकन नहीं, बल्कि सुकून और खुशी झलकती रही। यह रोज़ा सिर्फ़ एक धार्मिक कर्म नहीं, बल्कि यह इस बात

की मिसाल है कि सही तालीम, पारिवारिक संस्कार और दीन से जुड़ाव बचपन में ही इंसान के दिल में उतर जाए तो वह उम्र का मोहताज नहीं रहता। हुजेफ का यह क़दम न केवल परिवार के लिए फ़ख्र का सबब है, बल्कि समाज के लिए भी एक प्यारा और प्रेरणादायक संदेश है कि रमज़ान सिर्फ़ इबादत का महीना नहीं, बल्कि सब्र, सादगी और रूहानी परवरिश का महीना है। अल्लाह तआला इस नन्ही रोज़ेदार की इबादत क़ुबूल फ़रमाए और उसे नेक सेहत व कामयाबी अता करे।

महवा पुलिस की बड़ी सफलता: 365 ग्राम गांजा के साथ नन्नूराम गुर्जर गिरफ्तार

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान "ऑपरेशन एंटी वेनम" के तहत महुवा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 365.30 ग्राम अवैध गांजा के साथ एक आरोपीनन्नूराम को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक दौसा सागर राणा (IPS) के निर्देशानुसार महवा थानाधिकारी राजेन्द्र कुमार मीना के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने 15 मार्च 2026 को महुआ थाने के सिद्ध बाबा मंदिर के पीछे तलहटी तन पहाड़ी क्षेत्र में दबिश दी। इस दौरान पुलिस ने नन्नूराम पुत्र दामोदर गुर्जर (53 वर्ष) निवासी पहाड़ी, थाना महुवा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे

से 365.30 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण संख्या 126/2026 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है और मामले की गहन जांच जारी है। इस कार्रवाई में महुवा थाने के वेदप्रकाश (सहायक उप निरीक्षक), पुष्पेन्द्र सिंह (हेड कांस्टेबल), राजेश कुमार (विशेष योगदान), भगवान सिंह और महेश सहित पुलिस टीम के अन्य जवान शामिल रहे। पुलिस अधीक्षक सागर राणा ने कहा कि जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उपखंड अधिकारी मनीषा रेशम ने हडिया गैस एजेंसी ग्रामीण का किया औचक निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा निर्देश

-प्रशासन की कालाबाजारी पर कड़ी निगरानी

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा विश्व पटल मध्य-पूर्व में चल रहे संकट के मद्देनज़र घरेलू एलपीजी गैस की आपूर्ति को नियमित बनाए रखने के लिए जिला कलेक्टर दौसा के निर्देश पर स्थानीय प्रशासन सक्रिय हो गया है। जिला कलक्टर दौसा के निर्देश पर सोमवार को महुवा उपखण्ड अधिकारी सुश्री मनीषा रेशम द्वारा हडिया इंडेन ग्रामीण वितरक का औचक निरीक्षण किया गया। उपखंड अधिकारी को निरीक्षण के दौरान एजेंसी पर 360 किलोग्राम गैस का ओपनिंग स्टॉक पाया गया। इस दौरान उपखण्ड अधिकारी मनीषा रेशम ने एजेंसी संचालकों को निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडरों की आपूर्ति नियमित रूप से की जाए और किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न न होने दी जाए। उपखंड अधिकारी सुश्री

मनीषा रेशम ने बताया कि गैस को लेकर उपभोक्ता पैनिक नहीं हो उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर की आपूर्ति के बाद 25 दिन बाद बुकिंग करने पर पुनः सिलेंडर उपलब्ध कराया जाएगा। उपखंड अधिकारी मनीषा रेशम ने लोगों से अपील की गई है कि अनावश्यक बुकिंग या गैस सिलेंडरों का भंडारण न करें, क्योंकि प्रशासन द्वारा गैस वितरण पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। निर्देशों के अनुसार गैस बुकिंग होने के बाद उपभोक्ता के घर पर ही सिलेंडर की डिलीवरी गैस एजेंसी मित्र को द्वारा की जाएगी, इसलिए गैस एजेंसी पर अनावश्यक भीड़ नहीं लगाएं। जिन उपभोक्ताओं ने अभी तक ई-केवाईसी नहीं करवाई है, वे जल्द से जल्द इसे पूरा करवाएं। यदि उपभोक्ता को गैस सिलेंडर आपूर्ति में कोई समस्या हो टोल फ्री नंबर 07461 294 704 पर अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं घरेलू गैस सिलेंडरों के अवैध संग्रहण एवं कालाबाजारी पर प्रभावी निगरानी हेतु जांच दल गठित किया गया है जिसके द्वारा नियमित रूप से घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्तियां वितरण पर निगरानी रखी जाएगी।

मंडावर पुलिस की कार्रवाई: 240 ग्राम गांजा के साथ आरोपी गिरफ्तार, बाइक जब्त

शफीक अली

मंडावर/दौसा (रॉयल पत्रिका)। अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मंडावर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 240 ग्राम अवैध गांजा के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।पुलिस अधीक्षक दौसा सागर राणा (IPS) के निर्देश और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेन्द्र फौजदार (RPS) के मार्गदर्शन में, वृत्ताधिकारी महवा मनोहरलाल मीणा (RPS) के सुपरविजन में यह कार्रवाई की गई।थानाधिकारी मंडावर प्रवीण कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 15 मार्च को मंडावर से गोपालगढ़ जाने वाली सड़क पर पानी की टंकी के पास कार्रवाई कर अभिषेक उर्फ बिट् सैन (33) निवासी मामोडिया मोहल्ला महवा को 240 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से गांजा और मोटरसाइकिल नंबर RJ 29 GS 2654 जब्त कर ली है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। इस कार्रवाई में हेड कांस्टेबल विनोद कुमार, कांस्टेबल राजकुमार, पंकज कुमार, गजेन्द्र सिंह और बने सिंह शामिल रहे।

आईपीएस अधिकारी अभिजित पाटील एएसपी सादुलपुर

सादुलपुर (रॉयल पत्रिका)। सादुलपुर में ASP के पद पर तैनात युवा IPS अधिकारी अभिजीत पाटील इन दिनों चर्चा में हैं। कम उम्र और 'बेबी फेस' के कारण कई बार लोग धोखा खा जाते है और उनको कॉलेज का स्टूडेंट समझने लगते है, लेकिन वर्दी में उनके कंधों पर चमकते सितारे उनकी असली पहचान बता देते हैं। महाराष्ट्र के ठाणे निवासी अभिजीत पाटील ने महज 22 वर्ष की उम्र में पहले ही प्रयास में UPSC परीक्षा पास कर इतिहास रच दिया। खास बात यह है कि उन्होंने बिना किसी

कोचिंग के केवल सेल्फ स्टडी के दम पर यह सफलता हासिल की। इंजीनियरिंग (बीटेक) के अंतिम वर्ष में तैयारी शुरू कर उन्होंने 2022 की UPSC परीक्षा में ऑल इंडिया 270वीं रैंक प्राप्त की। अभिजीत ने यूट्यूब पर टॉपर्स के वीडियो देखकर अपनी रणनीति बनाई और रोजाना करीब 8 घंटे नियमित पढ़ाई की। वर्तमान में चूरू जिले के राजगढ़ में ASP के पद पर कार्यरत अभिजीत पाटील आज युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुके हैं। उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हाल ही में एक मजदूर अपने बेटे को उनसे मिलवाने लाया, ताकि वह उनसे प्रेरणा लेकर भविष्य में अफसर बन सके।

वक्फ कमेटी बारां की जानिब से रोज़ा अफ्तार ओर कार्यालय उद्घाटन प्रोग्राम सम्पन्न

शब्बीर हुसैन

बारां.(रॉयल पत्रिका) । जिला वक्फ कमेटी बारां द्वारा रविवार 15 मार्च को बाबा फूल पीर साहब जमात खाने में रोजा अफ्तार कार्यक्रम आयोजित किया गया, साथ ही वक्फ कमेटी कार्यालय का उद्घाटन भी किया गया। प्रवक्ता शोएब अख्तर ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन इरफान अंसारी ओर पूरी टीम द्वारा आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अंता विधायक व पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया रहे। अध्यक्षता राजस्थान बोर्ड ऑफ मुस्लिम वक्फ के चेयरमैन राज्यमंत्री डॉ. खानू खान बुधवाली ने की। विशिष्ट अतिथियों में पूर्व विधायक पानाचंद मेघवाल, कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के पूर्व चेयरमैन आबिद कागजी, पूर्व विधायक करण सिंह राठौड़, प्रदेश कॉंग्रेस कमेटी के सचिव धर्मराज मेहरा, कांग्रेस शहर अध्यक्ष प्रशांत भारद्वाज, काजी अब्दुल कय्यूम, हाजी मोहम्मद अशफाक, शिवशंकर यादव, बूंदी वक्फ़ चेयरमैन इकरामुद्दीन बबलू, दानिश खान, छबड़ा वक्फ़ सदर साजिद खान, बृजेश वर्मा,

मांगरोल, अंता छबड़ा अटरू सहित जिले भर से लोग शामिल रहे। इस अवसर पर बोलते हुए अंता विधायक प्रमोद जैन भाया ने कहा कि रमजान के पाक महीने की आप सभी को बधाई, उम्मीद करते हैं कि आप लोग अपना ईद का त्यौहार खुशी ओर ईश्वर को राज़ी करके मनाए। राजस्थान वक्फ बोर्ड के चेयरमैन डॉ. खानू खान बुधवाली ने कहा कि रोजा हमे नफसानी ख्वाहिशातों को पर काबू पाना ओर राहें खुदा के लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर देना सिखाता है। पूर्व विधायक पानाचंद मेघवाल ने कहा कि समाज के सभी लोग मिलजुल कर रहे, ओर आपसी सौहार्द बना रहे इस रमजान में ईश्वर से ऐसी कामना करता हूं। बारां वक्फ़ चेयरमैन इरफान अंसारी ने सभी अतिथियों का आभार ओर सभी कमेटी के सदस्यों का सफल आयोजन पर आभार व्यक्त किया। अफ्तार कार्यक्रम के बाद वक्फ के कार्यालय का रिबन काटकर उद्घाटन किया गया। जाकिर मंसूरी ने प्रोग्राम के अंत मे धन्यावाद दिया। इस दोरान अब्दुल अजीज अंसारी, अब्दुल रशिद पठान, अब्दुल शकूर चिश्ती, अशरफ देशवाली, हाजी अब्दुल गनी, आबिद हुसैन अंसारी, नासिर मिर्ज़ा, शैख बहादुर, रईस अहमद, हक्का भाई, शाहिद कुंडी, अहमद शरीफ पार्षद, जमील अहमद, पिंकू भाई, अख़लाक़ अंसारी, जहीर अहमद व असलम राजा मौजूद रहे। मंच का संचालन साजिद खान ने किया।

8 साल की जिया फातमा ने रखा रोजा

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। उदयमंदिर आसन निवासी मोहसिन अत्तारी की 8 वर्षीय पुत्री जिया फातमा ने इस पवित्र माह रमजान में 2 रोजे रखें। जिया फातमा के पिता मोहसिन अत्तारी ने बताया कि जिया ने इसी रमजान माह के दूसरे व चौथे शुक्रवार को लगातार 2 रोजे रखें। जिया फातमा की अम्मी नाजमीन अशरफी ने बताया कि जिया ने रोजा रखने की बहुत जिद की तब घरवालों ने पूरे इस्लामी रीति रिवाज से रोजे के परम्परा पूरी की।

जिया ने रोजा रखकर परिवार की आपसी मोहब्बत, मेल मिलाप, रिश्तेदारी, गरीबों की मदद, बड़ों का सम्मान, दुनिया

में अमनोशांति और हमेशा दूसरों के काम आने सीख की दुआ की। इस खुशी के मौके पर दादा मोहम्मद युसूफ चौहान, दादी हसमत बानो सहित परिवार के अन्य लोगों ने जिया को खूब दुआएं दी।

राजस्थान स्थापना दिवस प्रदेश के विकास और समृद्धि के संकल्प को मजबूत करने का दिन - राठौड़

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर चैत्र प्रतिपदा को राजस्थान स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों के अंतर्गत रविवार को जिला खेल स्टेडियम में विकसित राजस्थान रन का आयोजन किया गया। पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़, चूरू विधायक हरलाल सहारण, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, सीईओ श्वेता कोचर ने रन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और दौड़ लगाकर प्रतिभागियों को बेहतर स्वास्थ्य व खेल गतिविधियों में रुचि से भागीदारी हेतु प्रोत्साहित किया। विकसित राजस्थान रन जिला खेल स्टेडियम से पंखा सर्कल होते हुए नेचर पार्क पहुंची। इस अवसर पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि राजस्थान दिवस केवल

उत्सव का अवसर ही नहीं, बल्कि प्रदेश के विकास और समृद्धि के संकल्प को मजबूत करने का भी दिन है। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति ही प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है और ऐसे आयोजन युवाओं को फिट और जागरूक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। चूरू विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि नियमित खेलकूद और व्यायाम स्वस्थ जीवन की कुंजी है। उन्होंने युवाओं से खेल गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने और नशे जैसी बुराइयों से दूर रहने का आह्वान किया। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आयोजित ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य आमजन में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि 'विकसित राजस्थान' का सपना तभी साकार होगा जब प्रदेश का युवा स्वस्थ, ऊर्जावान और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेगा। उन्होंने प्रतिभागियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित व्यायाम करने और खेल गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। इस दौरान पूर्व जिला उप प्रमुख महेंद्र न्यौल, बसंत शर्मा, चंद्राराम गुरी, सीईओ श्वेता कोचर, मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. एमएम पुकार, एसीईओ भागचंद खारिया, जिला खेल अधिकारी सीताराम प्रजापत, सुरेश सारस्वत, सीपी शर्मा, सत्तार खान, हरीश वर्मा, धर्मेंद्र राकसिया, रजत शर्मा, डीईओ प्रारंभिक ओमप्रकाश प्रजापत, नर्सिंग अधीक्षक बजरंग हर्षवाल, डॉ. रविन्द्र बुडानिया, डॉ. हेमंत मंगल, सूर्यकांत चोटिया सहित एनसीसी, स्काउट, पुलिस के जवान, अधिकारी, कर्मचारी व युवाओं ने दौड़ लगाई।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी की राजश्री नाथावत ने जीता कांस्य पदक

जेधपुर । ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप 2025-26 में मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी की प्रतिभाशाली खिलाड़ी राजश्री नाथावत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय अलीगढ़ में 11 से 15 मार्च 2026 तक आयोजित इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में देशभर की विभिन्न विश्वविद्यालयों के खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें राजश्री ने दमदार प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया। डीन-स्पोर्ट्स एंड पब्लिक रिलेशन्स डॉ. सैयद मोईनुल हक ने बताया कि राजश्री नाथावत की इस

उपलब्धि से विश्वविद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है और यह सफलता विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों के बढ़ते खेल स्तर का प्रमाण है। इस अवसर पर चेयरमैन मोहम्मद अतीक, प्रेसीडेंट डॉ. जमील काज़मी तथा डीन एकेडमिक्स डॉ. इमरान खान पठान ने खुशी व्यक्त करते हुए राजश्री को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय खिलाड़ियों को हर संभव प्रोत्साहन और सुविधाएं प्रदान कर रहा है, जिससे वे राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान का नाम रोशन कर रहे हैं।

झालावाड़ में नि:शुल्क मुस्लिम इज्तिमाई शादी सम्मेलन 29 मार्च होगा को आयोजित

-12 जोड़ों का हुआ रजिस्ट्रेशन- अब्दुल हुसैन

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान झालावाड़,तमामी हजरात को यह जानकर बेहद खुशी होगी कि सर जमीने झालावाड़ में रजिस्टर्ड सीरते मुस्तफा मददगार सोसायटी हबीब नगर की जानिब से पहला नि:शुल्क इज्तिमाई शादी सम्मेलन 29 मार्च 2026 रविवार को ईदगाह मैदान झालावाड़ में होगा आयोजित, सोसायटी के सदर हाजी अब्दुल हुसैन और सम्मेलन सदर मूकीम बेग ने बताया कि महंगाई के बढ़ते दौर को देखते हुए फिजूल खर्चों से बचने के लिए और निकाह को आसान और सुन्नत बनाने के लिए सोसायटी ने पिछले 3 महीने पहले एक नि:शुल्क इज्तिमाई शादी सम्मेलन करने का इरादा किया था जिसमें 12 जोड़ों का रजिस्ट्रेशन 10 मार्च 2026 तक हुआ है और इस नि:शुल्क इज्तिमाई शादी सम्मेलन में दूल्हा-दुल्हन पक्ष से एक रुपया

भी नहीं लिया है दूल्हा दुल्हन को अपनी नई गृहस्थी चलाने के लिए सोसायटी की जानिब से दहेज भी दिया जाएगा पूरा सम्मेलन मुफ्त रहेगा दूल्हा दुल्हन पक्ष से 51-51 मेंबर बुलाए गए हैं सम्मेलन के बारे में अधिक जानकारी देते हुए सोसायटी के सेक्रेट्री राजू भाई हबीब नगर ने बताया कि सम्मेलन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही है और सभी मेंबर हजरात को सम्मेलन को कामयाब बनाने वास्ते अपनी अपनी जिम्मेदारियां सौंप दी गई है सम्मेलन में आने वाले सभी मेहमान के लिए टेंट ओर ठंडे जल का माकूल इंतजाम किया गया है ओर बाहर से आने वाली तमाम छोटी बड़ी गाड़ियों की पार्किंग स्टैंड की ईदगाह के पीछे व्यवस्था की गई है गर्मी के मौसम को देखते हुए हर सुविधा का ख्याल रखा गया है सम्मेलन में दूल्हा दुल्हन मेहमान बाराती की आमद सुबह 8 बजे रखी गई है निकाह सुबह 9 बजे रखा गया है विदा 1 बजे रखी गई है। दावते तूआम सुबह 10 बजे से 1 बजे तक रखा गया है।

रमजान का महीना मोहब्बत और इंसानियत का पैगाम देता है और बरकतों का महीना है - हमीदा बेगम

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री राजस्थान सरकार हमीदा बेगम ने माहे रमजान की मुबारकबाद देते हुए कहा की माहे रमज़ान सिर्फ भूखे-प्यासे रहने का नाम नहीं है, बल्कि यह इंसानियत के लिए रूहानी (आध्यात्मिक), अखलाकी (नैतिक) और जिस्मानी (शारीरिक) सुधार का एक बेहतरीन जरिया है। रमजान के महीने में 30 दिन तक बड़े लेवल पर इफ्तार की तैयारी की जाती है। रमजान को खुदा के महीने के नाम जाना जाता है। रमजान के महीने में पैगंबर-ए-इस्लाम को मेराज पर अल्लाह ने एक तोहफा दिया जिसे पांच वक्त की नमाज कहा जाता है रमजान के महीने मैं गरीब की भूख और प्यास का एहसास होता है।

इंसानियत के लिए इसके मुख्य फायदे:-

1. नैतिक और चारित्रिक सुधार,सब्र और संयम रोज़ा इंसान को अपनी इच्छाओं और गुस्से पर काबू पाना सिखाता है, जिससे समाज में सहनशीलता बढ़ती है। बुराइयों से तौबा यह महीना इंसान को झूठ, गीबत (चुगली), और अन्य सामाजिक बुराइयों से दूर रहने की ट्रेनिंग देता है। अनुशासन सहरी और इफ्तार का वक्त इंसान के जीवन में वक्त की पाबंदी और अनुशासन लाता है।
2. सामाजिक एकता और सेवा हमदर्दी और एहसास भूख और प्यास का अनुभव करने से अमीर इंसान को गरीबों और जरूरतमंदों की तकलीफ का एहसास होता है। दान-पुष्प इस महीने में जकात और सदका (दान) देने से समाज के वंचित तबके की आर्थिक मदद होती है, जिससे सामाजिक समानता को बढ़ावा मिलता है, सामूहिक भाईचारा इफ्तार और नमाज-ए-तरावीह के बहाने लोग आपस में मिलते हैं, जिससे आपसी रिश्ते और भाईचारा मज़बूत होता

है।
3. वैज्ञानिक और स्वास्थ्य लाभ डिटॉक्सिफिकेशन: रोज़ा रखने से शरीर के जहरीले पदार्थ बाहर निकल जाते हैं और पाचन तंत्र को आराम मिलता है, ऑटोफैगी प्रक्रिया आधुनिक विज्ञान के अनुसार, उपवास के दौरान शरीर की कोशिकाएं अपनी ही डैमेज कोशिकाओं को साफ करना शुरू कर देती हैं, जिससे कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा कम हो सकता है। हृदय स्वास्थ्य रोजा रखने से कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर कम होता है, जो दिल की बीमारियों को रोकने में सहायक है। रमज़ान एक "ट्रेनिंग कैंप" की तरह है जो इंसान को एक बेहतर, अनुशासित और नेकदिल इंसान बनने में मदद करता है। इस्लामी कैलंडर के नौवें महीने, रमज़ान (माहे रमज़ान) को न केवल इबादत और रोज़ों के लिए जाना जाता है, बल्कि यह महीना इस्लामी इतिहास की कई महत्वपूर्ण और निर्णायक घटनाओं का गवाह रहा है।

1. कुरान का अवतरण (नुजूल-ए-कुरान):-

इस्लामी मान्यता के अनुसार, इसी पवित्र महीने की एक रात, जिसे लैलतुल क़द्र (शवे कद्र) कहा जाता है, अल्लाह ने पैगंबर हज़रत मुहम्मद (स.अ.व.) पर पवित्र कुरान नाजिल (अवतरित) करना शुरू किया था।

2. बद्र का युद्ध:-

यह इस्लाम की पहली प्रमुख और निर्णायक सैन्य जीत थी। केवल 313 निहत्थे मुसलमानों ने मक्का के 1,000 से अधिक हथियारों से लैस सैनिकों वाली सेना को हराया था।

3. मक्का की विजय:-

पैगंबर मुहम्मद (स.अ.व.) ने बिना किसी बड़े खून-खराबे के 10,000 सहाबा (साथियों) के साथ मक्का में प्रवेश किया और शहर को शांतिपूर्वक जीत लिया।

4. हज़रत ख़दीजा (रजि.) का इंतक़ाल:-

पैगंबर मुहम्मद (स.अ.व.) की पहली पत्नी और 'उम्मुल मोमिनीन' (मोमिनों की माँ) हज़रत खदीजा का इंतकाल इसी महीने में हुआ था। उन्हें 'आम-उल-हुज़्न' (दुःख का वर्ष) के दौरान खो दिया गया था।

5. हज़रत अली (रजि.) की शहादत:-

इस्लाम के चौथे खलीफा हज़रत अली इब्न अबी तालिब (रजि.) पर मस्जिद में नमाज़ के दौरान हमला हुआ था और वह शहीद हो गए थे। उसे दिन 21 वा रमजान था।

मोहम्मद सिद्दीक गोरी को राजस्थान कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने राजस्थान में पदाधिकारियों की घोषणा की है, जिसमें मोहम्मद सिद्दीक गोरी को राजस्थान कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है, इस नियुक्ति पर उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, इमरान प्रतापगढ़ी, अशोक गहलोत, गोविन्द सिंह डोटासरा, सचिन पायलट, एम.डी.चोपदार, प्रमोद जैन भाया, झालावाड़ जिला अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह गुर्जर और वरिष्ठ नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है। गोरी ने 16 मार्च 2026 को जानकारी देते हुए बताया कि वे अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभाएंगे और संगठन को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उनकी नियुक्ति

से जिला झालावाड़ एवं राज्य में पार्टी को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद है।

नगरपालिका में शपथ दिलाने के साथ स्वच्छता सप्ताह आरंभ

डॉ. तोहिद

सुकेत/रामगंजमंडी (रॉयल पत्रिका)। स्वायत्तशासन विभाग के निर्देशन में राजस्थान दिवस समारोह पर नगरपालिका में स्वच्छता सप्ताह की शुरुआत शनिवार को किया गया। यह विशेष अभियान 14 से 19 मार्च तक संचालित किया जाएगा, जिसके तहत शहर में स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करने वाली गतिविधियां कराई जाएंगी। अभियान के पहले दिन शनिवार को नगरपालिका कार्यालय परिसर में शुरुआत की गई। पूर्व पालिका अध्यक्ष अखिलेश मेड़तवाल मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि, अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों ने कार्मिकों, शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने की शपथ ली। ईओ तरुण कुमार लहरी ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। निर्धारित थीम के अनुसार, अगले पांच दिनों तक शहर के वार्डों और सार्वजनिक स्थलों पर सफाई अभियान और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान नगरपालिका के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी एवं क्षेत्र के गणमान्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। उन्होंने एक स्वर में स्वच्छता का आदर्श शहर बनाने का संकल्प दोहराया।

पीर की जाल उर्स मुबारक में होंगे धार्मिक कार्यक्रम से गुंजेगा दरगाह परिसर

-20 मार्च को झंडा चढ़ेगा, 23 को रात्रि में संदल, 26 मार्च को भरपूर जुम्मेरात

मोहम्मद अब्बास

सांचौर (रॉयल पत्रिका) । उपखंड मुख्यालय से मात्र 7 किमी की दूरी पर स्थित अल मशहूर दरगाह हज़रत मखदूम पीर दादा अब्बनशाह रहमतुल्लाह अलेह का सालाना उर्स मुबारक दिनांक 20 मार्च से 30 मार्च तक चलेगा। वार्षिक मेले में कानून व्यवस्था एवं लोक शांति बनाए रखने हेतु उपखंड मजिस्ट्रेट सांचौर को मेला मजिस्ट्रेट एवं तहसीलदार सांचौर को कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। वार्षिक उर्स (मेले) में हिंदुस्तान के कोने-कोने से जायरीन तशरीफ लाते हैं और मत्था टेक कर अपनी मुरादे मांगते हैं जाल वाले बाबा के नाम से मशहूर दरगाह पीर की जाल को रंग बिरंगी रोशनी से सजाया गया। एडवोकेट इब्राहिम शाह ने बताया कि सालाना उर्स मुबारक में सैकड़ो की तादाद में जायरीन का जत्था दरगाह पीर की जाल पर आता है जिसमें

हजारों की संख्या में पैदल चलकर भी अपनी मन्नते लेकर जायरीन आते हैं दानदाताओं की तरफ से जगह-जगह कैंप लगाकर पैदल जायरीनों के लिए चाय,पानी और नाश्ता आदि की व्यवस्था की जाती है। उर्स मुबारक में करीब 300 से अधिक दुकानें लगती हैं। जिसमें राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश सहित अन्य राज्यों से दुकानें लगती है दरगाह पीर अब्बनशाह पीर की जाल पर उर्स मुबारक में रात्रि ईशा नमाज बाद उलमाए किराम का नूरानी खिताब होगा जिसमें 23 मार्च को हजरत पीर सैय्यद मोहम्मद अली बावा खानकाए आलिया डीसा तशरीफ ला रहे हैं, 24 को हजरत मौलाना इदरीश रजा जोधपुर तशरीफ ला रहे हैं, 25 को हजरत मौलाना शोएब आलम शेखुल हदीस लुनी शरीफ कच्छ गुजरात, 26 को हजरत क़िब्ला पीर रफीक आलम हुसैनी महाराष्ट्र का खिताब होगा। जिसमें हजारों की तादाद में जायरीन का हुजूम उमड़ेगा।

ज्ञानचंद यादव चूरू के नए पुलिस अधीक्षक नियुक्त

-हरियाणा के मूल निवासी, जल्द संभालेंगे पदभार

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिले को नया पुलिस अधीक्षक मिल गया है। राजस्थान के आईपीएस अधिकारी ज्ञानचंद यादव को चूरू का नया एसपी नियुक्त किया गया है। वे मौजूदा एसपी जय यादव का स्थान लेंगे, जिनका डीग में पदोन्नति के बाद तबादला हो गया है। ज्ञानचंद यादव जल्द ही अपना कार्यभार ग्रहण कर सकते हैं। मूल रूप से हरियाणा के निवासी ज्ञानचंद द्वयादव को राजस्थान पुलिस के अनुभवी अधिकारियों में गिना जाता है। उन्होंने जालौर और झुंझुनूं जैसे जिलों में पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्य किया है, जहां उनकी कार्यशैली को प्रभावी माना गया है। अपने करियर

में ज्ञानचंद यादव ने कई गंभीर अपराधों, जिनमें ब्लाइंड मर्डर और बड़ी डकैती की घटनाएं शामिल हैं, का त्वरित खुलासा किया है। उनकी पहचान अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखने में उनकी दक्षता के लिए है। चूरू जिले की सीमा हरियाणा से सटी हुई है, जिससे तस्करी और अवैध गतिविधियों का जोखिम रहता है। हरियाणा के मूल निवासी होने के कारण, ज्ञानचंद यादव को इस क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति और चुनौतियों की बेहतर समझ है, जिससे इन गतिविधियों पर प्रभावी ढंग से अंकुश लगाने में मदद मिल सकती है।

मंगलम सीमेंट ने बालाजी मंदिर की चार दिवारी के लिए चेक दिया

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। हिरियाखेड़ी में बालाजी मंदिर पर मंगलम ने किए सामाजिक कार्यक्षेत्र के हीरियाखेड़ी में बालाजी मंदिर की चारदीवारी निर्माण के लिए सामाजिक सरोकार में मंगलम सीमेंट लिमिटेड ने सहयोग दिया। यह योगदान मंदिर परिसर की सुरक्षा, स्वच्छता और व्यवस्थित विकास के लिए महत्वपूर्ण है। कंपनी के कारखाना परिसर में कैलाश मीणा सरपंच प्रतिनिधि हिरियाखेड़ी व महफूज अली को हाड़ा, सहयोग राशि का चेक दिया। कोषाध्यक्ष कंपनी के पदाधिकारी पीआर राकेश चौधरी, आरपीसिंह और संजीव शक्तावत, रिपेंद्रसिंह कुमार जामवाल ने चेक दिया। कंपनी के अधिकारी आरपी सिंह ने बताया कि मंगलम सीमेंट लिमिटेड की ओर से शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, कौशल विकास, पर्यावरण संवर्धन और ग्रामीण अवसंरचना जैसे क्षेत्र में लगातार जनहितकारी कार्य किए जाते हैं। गोवंश संरक्षण, बालाजी मंदिर की चारदीवारी निर्माण में दिया गया सहयोग कंपनी की सामाजिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। भविष्य में भी ऐसी गतिविधियां जारी रहेगी। सरपंच प्रतिनिधि कैलाश मीणा ने कहा कि चारदीवारी बनने से मंदिर परिसर अधिक सुरक्षित और आकर्षक हुआ है। श्रद्धालुओं को बेहतर वातावरण मिलेगा।

रोजा और मेटाबोलिज्म- न्यूट्रिशनिस्ट साइमा

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित साइमा (डाइटिशियन & न्यूट्रिशनिस्ट) ने माहे रमजान की मुबारकबाद पेश की ओर बताया कि रोजा (उपवास) और मेटाबोलिज्म के बीच गहरा संबंध है। रोजा के दौरान शरीर को भोजन और पानी से कुछ समय के लिए दूर रखा जाता है, जिससे शरीर के मेटाबोलिज्म में कई बदलाव होते हैं।

रोजा के दौरान होने वाले मेटाबॉलिक बदलाव:-

1. ग्लूकोज का स्तरः रोजा के दौरान शरीर को ग्लूकोज की आपूर्ति कम हो जाती है, जिससे रक्त में ग्लूकोज का स्तर कम होता है।
2. केटोसिस: जब शरीर को पर्याप्त ग्लूकोज नहीं मिलता, तो शरीर वसा को ऊर्जा के स्रोत के रूप में उपयोग करना शुरू करता है, जिससे केटोन्स बनते हैं।
3. वसा जलनाः रोजा के दौरान शरीर वसा को जलाने लगता है, जिससे वजन कम करने में मदद मिल सकती है।
4. मेटाबॉलिक दरः रोजा के दौरान शरीर की मेटाबॉलिक दर थोड़ी

धीमी हो सकती है, जिससे शरीर ऊर्जा की बचत करता है। 5. हार्मोनल बदलावः रोजा के दौरान शरीर में इंसुलिन और ग्लूकागन जैसे हार्मोन के स्तर में बदलाव होते हैं।

रोजा के मेटाबॉलिक लाभ:-

वजन कम करने में मददः वसा जलने की प्रक्रिया के कारण वजन कम करने में सहायता मिलती है। कैंसर के खतरे में कमीः रोजा रखने से शरीर में ऑक्सीडेटिव तनाव कम हो सकता है। ऑटोफैजी, जिससे कैंसर के खतरे को कम करने में मदद मिलती है।मानसिक स्वास्थ्य में सुधारः रोजा से मानसिक शांति मिलती है और तनाव व चिंता को कम करने में मदद मिलती है। पाचन तंत्र में सुधारः रोजा पाचन तंत्र को आराम देता है और पाचन से जुड़ी समस्याओं में सुधार ला सकता है।

इम्यून सिस्टम में सुधारः नियमित रोजा से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बेहतर हो सकती है। त्वचा के स्वास्थ्य में सुधारः रोजा शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करता है, जिससे त्वचा के स्वास्थ्य में सुधार हो सकता है। आत्म-नियंत्रण और अनुशासनः रोजा रखने से आत्म-नियंत्रण और अनुशासन की भावना मजबूत होती है।

इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधारः रोजा इंसुलिन संवेदनशीलता बढ़ाने में मदद कर सकता है। हृदय स्वास्थ्य में सुधारः रोजा से हृदय रोग के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। सूजन में कमीः रोजा शरीर में सूजन को कम करने में सहायक हो सकता है।

साइमा (डाइटिशियन & न्यूट्रिशनिस्ट) के अनुसार, रोजा रखते समय यह ध्यान रखना आवश्यक है कि शरीर की जरूरतों को पूरा करने के लिए सेहरी और इफ्तार में संतुलित और पौष्टिक भोजन लिया जाए।

शब-ए-क़द्र की फ़ज़ीलत व अज़्मत - कारी करामत खान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से करामत खान उर्दू अदीब संस्थापक इंसानियत एकता सेवा समिति ने माहे रमज़ान एवं ईद की मुबारकबाद देते हुए बताया कि शब-ए-क़द्र अल्लाह तआला ने ख़ुसूसियत के साथ इस उम्मत यानी उम्मत-ए-मुहम्मदिया को अता फ़रमाई है। 'शब' के मा'ना रात के हैं और 'क़द्र' के मा'ना अज़्मत व शर्फ़ के हैं। 'क़द्र' के दूसरे मा'ना तक़दीर व हुक्म के भी आते हैं। रिवायतों में आता है कि हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने उम्मत-ए-मुहम्मदिया की उम्र का तज़्किरा किया, जैसा कि आप सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का इरशाद मुबारक है कि मेरी उम्मत की उम्रें साठ साल से लेकर सत्तर साल के दरमियान है, हुज़ूर ने अपनी उम्मत की उम्रों को याद किया और उसके मुक़ाबले में अगली उम्मतों को जो उम्रें दी गईं थीं उसको जब आप सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने देखा तो आपको यह ख़याल हुआ कि इबादात में मेरी उम्मत उनका मुक़ाबला नहीं कर सकती, जिसकी वजह से आपके दिल में एक ग़म की सी कैफ़ियत पैदा हुई, तो इस पर अल्लाह तआला की तरफ़ से 'सूरह-ए-क़द्र' नाज़िल की गई, जिसमें इरशाद फ़रमाया गया, 'लैलातुल क़द्रि ख़ैरुम मिन अल्फ़ि शह्र' (शब-ए-क़द्र हज़ार महीनों से बहतर है) और हज़ार महीनों का जब हिसाब लगाया गया तो 83 साल और 4 महीने होते हैं। बाअ्ज़ रिवायतों में यह भी है कि एक मरतबा हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने बनी इस्राईल के एक आबिद का तज़्किरा किया, जिसने पांच सौ साल तक अल्लाह की इबादत की, यह सुनकर सहाबा-ए-किराम को यह ख़याल हुआ कि हमें तो यह मक़ाम हासिल नहीं हो सकता और इस पर अफ़सोस भी हुआ कि हम बा-वुज़ूद चाहने के इस पर अमल नहीं कर सकते : इस पर 'सूरह-ए-क़द्र' नाज़िल हुई, जिसमें बताया गया कि शब-ए-क़द्र हज़ार महीनों से बहतर है। इसी रात में क़ुरआन शरीफ़ का नुज़ूल हुआ यानी क़ुरआन शरीफ़ लोह-ए-महफ़ूज़ से आसमान-ए-दुनिया पर नाज़िल हुआ। क़ुरआन-ए-करीम में एक जगह इरशाद फ़रमाया 'इन्ना अन्ज़लनाहु फ़ी लैलातिम मुबारकतिन' (हमने क़ुरआन-ए-पाक को बा-बरकत रात में नाज़िल किया) यहां पर भी शब-ए-क़द्र मुराद ली गई है। एक रिवायत में हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने इरशाद फ़रमाया कि 'लैलातुल क़द्र' को रमज़ान के आख़िर अशरे की ताक़ रातों में तलाश करो। ताक़ रातों से मुराद 21 वीं, 23 वीं, 25 वीं, 27 वीं और 29 वीं रातें हैं। हज़रत इमाम अबू हनीफ़ा रहमतुल्लाहि अलैह का क़ौल है कि शब-ए-क़द्र तमाम रमज़ान में दाइर रहती है। इमाम शाफ़ई रहमतुल्लाहि अलैह का राजेह क़ौल यह है कि इक्कीसवीं शब में होना अक़रब है। इमाम मालिक रहमतुल्लाहि अलैह और इमाम अहमद बिन हम्बल रहमतुल्लाहि अलैह का क़ौल यह है कि रमज़ान के आख़िर अशरे की ताक़ रातों में दाइर रहती है, किसी साल किसी रात में और किसी साल किसी दूसरी रात में। जम्हूर उलमा की राय यह है कि सत्ताईसवीं रात में ज़ियादा उम्मीद है। हदीस शरीफ़ में है कि हज़रत आइशा सिद्दीक़ा रज़ियल्लाहु अन्हा ने पूछा, या रसूलुल्लाह अगर मुझे शब-ए-क़द्र का पता चल जाए तो क्या दुआ मांगूं ? हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने यह दुआ पढ़ने की ताकीद फ़रमाई 'अल्लाहुम्मा इन्नका अफ़ुव्वुन तुहिब्बुल अफ़्वा फ़ाअ्फ़ु अन्नी' (ए अल्लाह बेशक तू मुआफ़ करने वाला है, मुआफ़ी को पसंद करता है, पस मुझे मुआफ़ फ़रमा) एक हदीस शरीफ़ में है कि हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने इरशाद फ़रमाया कि जो कोई ईमान के साथ और सवाब की निय्यत से इस रात क़ियाम (इबादत) करे, उसके पिछले तमाम गुनाह मुआफ़ कर दिये जाते हैं। एक रिवायत में हज़रत अनस रज़ियल्लाहु अन्ह नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का इरशाद नक़्ल करते हैं कि शब-ए-क़द्र में हज़रत जिब्राईल अलैहिस्सलाम फ़रिश्तों की एक जमाअत के साथ उतरते हैं और उस शख़्स के लिये जो खड़े या बैठे अल्लाह का ज़िक्र कर रहा हो और इबादत में मश्गूल हो दुआ-ए-रहमत करते हैं। हज़रत इब्न-ए-अब्बास रज़ियल्लाहु अन्ह की हदीस में है कि फ़रिश्ते हज़रत जिब्राईल अलैहिस्सलाम के कहने से मुतफ़र्रिक़ हो जाते हैं और कोई घर छोटा-बड़ा, जंगल या कश्ती ऐसी नहीं होती जिसमें कोई मोमिन हो और वे फ़रिश्ते मुसाफ़हा करने के लिये वहां न जाते हों। हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का मा'मूल हज़रत आइशा रज़ियल्लाहु अन्हा ने बयान फ़रमाया है कि आख़री अशरा दाख़िल होता तो आप सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ख़ुद भी इस इस अशरे की रातें जागते थे और अपने घर वालों को भी जगाते थे और कमरबंद कस लिया करते थे। नीज़ हज़रत आइशा रज़ियल्लाहु अन्हा फरमाती हैं कि आप सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम रमज़ानुल मुबारक के आख़री अशरे में जितनी मेहनत फ़रमाते थे उतनी मेहनत और दिनों में नहीं फ़रमाते थे। लिहाज़ा हर ईमान वाले और हर ईमान वाली को चाहिए कि वह तमाम ताक़ रातों में फ़राइज़ की अदाएगी के साथ नफ़ल नमाज़, दुरूद शरीफ़, तिलावत-ए-क़ुरआन, ज़िक्र-ओ-अज़्कार, तौबा-ओ-इस्तिग़फ़ार, तस्बीह-ओ-तहलील और दुआओं का एहतमाम ख़ूब करे, और इस क़ीमती और बा-बरकत और मुबारक रात को फ़ुज़ूल गोई में, सैर-ओ-तफ़रीह में, घूमने-फिरने में, खेल-तमाशों में और बेकार कामों में हरगिज़ ज़ा'ए न करे। क्योंकि साल भर में सिर्फ़ एक बार यह मुबारक रात मुयस्सर होती है। दुआ है कि अल्लाह तआला तमाम ईमान वालों और ईमान वालियों को शब-ए-क़द्र की तमाम बरकतें और रहमतें अता फ़रमाये। आमीन

नो वर्षीय मोहम्मद सूफियान बेहलीम ने रमजान के 10 रोजे पूरे किए

सांचौर (रॉयल पत्रिका) । पवित्र महीना माहे रमजान इस्लाम का रहमतों, बरकतों ओर इबादतों का मुबारक महीना पूरा होने को आया जिसमें नन्हे बच्चे भी तपती गर्मी में भी रोजे रख कर अल्लाह को राजी करने में मशगूल है सांचौर निवासी नो वर्षीय मोहम्मद सूफियान पुत्र मोहम्मद बिरसाद बेहलीम के शहजादे ने रमजान के 10 रोजे पूरे किए। बेहलीम परिवार में बच्चे की हौसला अफजाई कर खुशी बाटी। नन्हे बच्चे ने रमजान के पवित्र महीने में रुकने इस्लाम अदा किया। दिन भर इबादत में मशगूल रहने के बाद शाम को मगरिब की अज़ान के साथ रोज़ा खोला ओर

नमाज पढ़ कर अल्लाह का शुक्र अदा किया। ओर खूब दुआओ से नवाजा। रमजान में छोटे बच्चों के रोजे समाज में धार्मिक भावना और संस्करो की प्रेरणादायक मिसाल पेश कर रहे हैं।

हाजी मांगू खान ने पेश की इमानदारी की मिसाल

मोहम्मद यासीन

पाली/खैरवा (रॉयल पत्रिका)। वजीर खान कायमखानी ने बताया कि खैरवा के हाजी मांगू खान अनाज के खरीदने ओर बेचने का व्यापार करते हैं इस दौरान गेहूं बेचने के लिए खैरवा के घिसा राम घाची मांगू खान की दुकान पर आए ओर गेहूं बेचकर चले गए। करीब 15 -20 दिन बाद जब मांगू खान ने गेहूं का कटा खोला तो उसमें गहनों की भरी हुई थैली निकली मांगू खान जैसे ही गहनों की थैली देखी तो तुरन्त गहनों के मालिक घिसा राम को फोन करके घर बुलाया और गांव के मौजीज व्यक्तियों को बुलाया और उनके सामने करीब 15 लाख रुपए के कीमत के गहने

मालिक घिसा राम को वापस देकर रमजान के पवित्र महीने में ईमानदारी की मिसाल पेश की। इस दौरान खैरवा के मुस्लिम समाज के नायब सदर वज़ीर खान कायमखानी,सरपंच प्रतिनिधि भरत सिंह, भगवत सिंह भाटी, सदाम पठान, शक्ति सिंह, अलादीन खान, हनीफ खान, बूंदु खान, सूजाराम और खैरवा के मौजीज व्यक्ति मौजूद थे।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/9799559096

Eid 2026

हिना खान से रुबीना दिलैक तक ईद के लिए परफेक्ट हैं इन एक्ट्रेसेस के

शरारा लुक्स

अगर आप इस ईद पर यूनिक और स्टाइलिश लुक चाहती हैं, तो टीवी एक्ट्रेसेस के शरारा लुक्स से इंस्पिरेशन ले सकती हैं। इनके ये स्टाइलिश शरारा लुक ईद के लिए परफेक्ट आउटफिट आइडिया दे सकते हैं। ईद का त्योहार अब करीब है और ऐसे में हर कोई अपने लुक को खास बनाना चाहता है। अगर आप भी ईद के लिए आउटफिट को लेकर सोच में हैं, तो आज हम आपको टीवी एक्ट्रेसेस के कुछ खूबसूरत शरारा लुक्स दिखा रहे हैं। हिना खान से रुबीना दिलैक तक, इन एक्ट्रेसेस के स्टाइल से आप भी ईद के लिए इंस्पिरेशन ले सकते हैं। सुरभि ज्योत का ये ब्लू शरारा सूट काफी खूबसूरत लग रहा है। ईद पर इस आउटफिट को आप हैवी ज्वैलरी के साथ ट्राई करके चांद जैसी चमक सकती है। क्रिस्टल डिसूजा भी लाइट पिंक शरारा सूट में काफी खूबसूरत दिख रही हैं. ईद पर आप एक्ट्रेस के इस लुक को हैवी इयरिंग्स के साथ रिक्रिएट कर सकती हैं। सुरभि ज्योत का ये ब्लू शरारा सूट काफी खूबसूरत लग रहा है. ईद पर इस आउटफिट को आप हैवी ज्वैलरी के साथ ट्राई करके चांद जैसी चमक सकती है। एक्ट्रेस प्रियंका चाहर का ये लुक ईद के लिए एकदम परफेक्ट है। उन्होंने ऑल येलो शरारा लुक चुना है। साथ ही एक्ट्रेस ने एक्सेसरीज भी मैचिंग की पहनी है सॉफ्ट कर्ली हेयर्स और मिनिमल मेकअप के साथ आप इसे ट्राई कर सकती है। ईद के लिए आप रुबीना दिलैक के इस शरारा लुक को भी ट्राई कर सकती है. उनका ये लुक काफी यूनिक है। एक्ट्रेस ने हैवी ज्वैलरी के साथ अपने इस लुक को और भी ग्रेसफुल बनाया है। ईद के लिए एक्ट्रेस सुरभि चंदना का ये शरारा सूट एकदम परफेक्ट चॉइस होगा. इसके साथ आप चोकर और इयरिंग्स पेयर के सकती हैं। ईद के लिए ग्रीन कलर एकदम परफेक्ट है। इस खास दिन पर आप दिव्यांका त्रिपाठी का ये शरारा लुक फॉलो कर सकती हैं। हिना खान का ये लुक काफी डिफरेंट लग रहा है। उनका ये शरारा लुक काफी सिंपल और सोबर लग रहा है। इसके साथ आप चोकर भी कैरी कर सकती है।

आर माधवन ने फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट को लेकर प्रशंसकों को आगाह किया

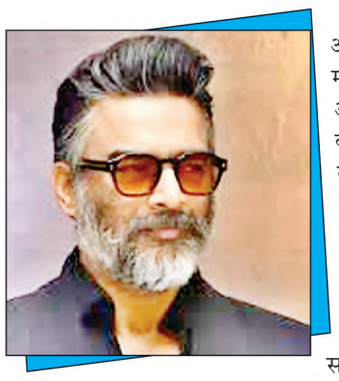

अभिनेता आर. माधवन ने उनके नाम से सोशल मीडिया पर मौजूद एक फर्जी अकाउंट को लेकर अपने प्रशंसकों को आगाह किया है। माधवन ने कहा कि उनके नाम से फर्जी अकाउंट बनाने वाले व्यक्ति को जवाबदेह ठहराने के लिए उचित कदम उठाए जा रहे हैं। धुरंधर के अभिनेता ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फर्जी अकाउंट का स्क्रीनशॉट साझा किया। माधवन ने बताया कि सोशल मीडिया पर उनका कोई अन्य अकाउंट नहीं है। उन्होंने फर्जी अकाउंट का यूजरनेम भी साझा किया। अभिनेता ने लिखा, 'धोखाधड़ी की चेतावनी... इस व्यक्ति का मुझसे या मेरी टीम से किसी भी तरह का कोई संबंध नहीं है। ए लोग मेरा प्रतिनिधित्व करने का दावा करते हैं और सोशल मीडिया पर मेरी ओर से लोगों से बात करते हैं। यह पूरी तरह से फर्जी अकाउंट है, कृपया सावधान रहें। उन्होंने लिखा, इंस्टाग्राम या किसी भी सोशल मीडिया पर कोई अन्य अकाउंट न तो मेरा प्रतिनिधित्व करता है और न ही मेरी ओर से किसी से बात करता है। कृपया ध्यान दें और सतर्क रहें। इस व्यक्ति को जवाबदेह ठहराने के लिए उचित कदम उठाए जा रहे हैं। माधवन धुरंधर 2: द रिवेंज में नजर आएंगे। यह फिल्म 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। आदित्य धर द्वारा निर्देशित यह फिल्म धुरंधर का सीक्वल है और इसमें माधवन इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के निदेशक अजय सान्याल की भूमिका में हैं।

रश्मिका मंदाना की रिसेप्शन साड़ी का जादू जबरदस्त बढ़ गई डिमांड

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की शादी खूब चर्चा में रही। रश्मिका के ब्राइडल लुक ने लाइमलाइट लूट ली। कपल का वेडिंग म्यूजिक वीडियो सोशल मीडिया पर जबरदस्त वायरल हुआ। ये वीडियो दुनिया भर में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला वीडियो बन गया। इसके अलावा रश्मिका का शानदार रिसेप्शन लुक भी वायरल रहा। रश्मिका ने रिसेप्शन लुक में अपनी जड़ों का सम्मान करने का फैसला किया। उनके इस लुक को स्टाइलिस्ट एमी पटेल ने स्टाइल किया था। रश्मिका ने गहरे लाल रंग की मैसूर क्रेप सिल्क साड़ी पहनी, जिसमें एक शानदार काला बॉर्डर था। ये लुक ट्रेडिशनल सादगी और राजसी ठाठ का एक बेहतरीन कॉम्बिनेशन लग रहा था। खबरों की मानें तो ये क्रेज इतना ज्यादा बढ़ गया है कि सरकारी सिल्क संस्थाओं को भारी डिमांड पूरी करने के लिए अपनी ऑनलाइन बिक्री कुछ समय के लिए रोकनी पड़ी। कई जगहों पर तो लोग सुबह 4 बजे से ही लाइन में लग रहे हैं ताकि वे इस खास बुनाई वाली साड़ी को खरीद सकें।

विजय सेतुपति ने एटली की फिल्ममेकिंग की तारीफ करते हुए बताया क्यों 'जवान' के लिए कहा 'हां'

अभिनेता विजय सेतुपति ने हाल ही में फिल्ममेकर एटली के साथ ब्लॉकबस्टर फिल्म 'जवान' में काम करने के अनुभव पर बात करते हुए बताया कि उन्हें उनकी कहानी कहने की शैली में सबसे ज्यादा क्या पसंद आया। गौरतलब है कि साल 2023 की इस एक्शन एंटरटेनर फिल्म में शाहरूख खान मुख्य भूमिका में नजर आए थे। साथ ही इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर न सिर्फ जबरदस्त सफलता हासिल की थी, बल्कि साल की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में भी शामिल रही थी। फिल्म में विजय सेतुपति ने खतरनाक विलेन काली गायकवाड़ का किरदार निभाया था, और उनके साथ नयनतारा और दीपिका पादुकोण भी अहम भूमिकाओं में दिखाई दी थी। हाल ही में एक बातचीत के दौरान सेतुपति ने एटली के काम करने के तरीके की तारीफ करते हुए बताया कि उन्हें उनके साथ काम करना क्यों पसंद है। उन्होंने कहा, 'मुझे एटली के फिल्म बनाने का तरीका बहुत पसंद है। उन्हें पता होता है कि किसी सीन या शॉट को कहाँ ऊंचाई देनी है और उसे किस तरह दिलचस्प बनाना है। और उन्हें अपने सीन्स को लेकर बहुत भरोसा होता है। इसलिए मुझे उनका काम करने का तरीका अच्छा लगता है। 'सेतुपति ने यह भी खुलासा किया कि शाहरूख खान के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिलना भी इस फिल्म को करने की एक बड़ी वजह थी। उन्होंने कहा, 'और फिर जाहिर है, बात शाहरुख सर की भी थी, तो बस उन्हीं के लिए मैंने यह फिल्म की। '

जब जीवन उलझा हो, तो शब्द ही जमीन देते हैं

लिसा रे

कनाडाई-भारतीय अभिनेत्री लिसा रे अक्सर सोशल मीडिया के जरिए कई मुद्दों पर अपनी राय रखती रहती हैं। उन्होंने एक खास नोट के जरिए बताया कि अभी वे अपनी आगामी कविताओं की एक किताब पर काम कर रही हैं। अभिनेत्री ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नोट शेयर किया। इस नोट में उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर उन्होंने एक ऐसी शांत जगह बनाई थी, जहां वे अपनी कविताएं शेयर कर सकें। अभिनेत्री ने लिखा, 'मेरे लिए शब्द हमेशा से सहारा रहे हैं, जब जीवन उलझा हुआ लगता है, तो केवल भाषा ही मुझे स्थिर जमीन देती है। मैं अब धीरे-धीरे, निजी तौर पर कविताओं की एक किताब पर काम कर रही हूं और अब लगता है कि इस हिस्से को सभी के सामने लाने का समय आ गया है।' अभिनेत्री ने आगे लिखा कि अंधेरे में लोग गीत गाते हैं, कला बनाते हैं और भाषा की मदद से उस भार को संभालते हैं, जो अकेले उठाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। उन्होंने लिखा, 'मेरे दूसरे घर दुबई में हाल की घटनाओं को देखना बहुत कठिन रहा। यूएई के नागरिक अपेक्षाकृत सुरक्षित हैं और वहां की नेतृत्व व्यवस्था अच्छी है, लेकिन अनिश्चितता, दोस्तों के संदेश और सबके सांस रोककर इंतजार करना बहुत भारी पड़ रहा है। 'बता दें कि अपनी पोस्ट में लिसा ने एक कविता भी शेयर की, जो सुबह-सुबह उनके मन में आई। वहीं, अभिनेत्री ने बिना किसी बदलाव के इसे अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया। अभिनेत्री ने बताया कि ये कविता खासतौर पर उन लोगों के लिए है, जो अस्थिर परिस्थितियों में जी रहे हैं। अभिनेत्री ने लिखा, 'मेरे पति का पालन-पोषण लेबनान में हुआ, जहां ऊपर से मिसाइलें गिरती रहती थीं। यह कविता उनके साहस, परिवार की दृढ़ता और दुनियाभर के उन परिवारों के लिए है, जिनकी सामान्य जिंदगी में सायरन की आवाज हमेशा शामिल रही है। लिसा ने कविता की एक खास पंक्ति सभी के साथ शेयर की। उन्होंने लिखा, 'जब आप पंखुड़ियों की ओर हाथ बढ़ाते हैं और सिर गायब होता है। 'अभिनेत्री ने बताया कि ये पंक्ति उनकी बहन के आने वाले उपन्यास 'द फर्स्ट हाउस' से प्रेरित है। अभिनेत्री ने लिखा, 'कला एक-दूसरे से जुड़ती है और हम दूसरे के शब्दों से साहस लेते हैं। अंत में उन्होंने संदेश देते हुए लिखा, 'अगर समय अनिश्चितताओं से भरा है, तो इसका जवाब सृजन से दें, सहानुभूति से दें, और आवाज उठाकर दें। लिसा रे ने बताया कि उनकी कविता की किताब जल्द ही रिलीज होने वाली है। उन्होंने लोगों से इसे प्री-ऑर्डर करने की अपील की और कहा कि वे मानती हैं यह साल की सबसे चर्चित किताबों में से एक होगी।

'नागबंधम' का पहला गाना नमो रे हुआ रिलीज, अध्यात्म और भक्ति के रंग की दिखी झलक

'नागबंधम' के मेकर्स ने फिल्म का पहला गाना 'नमो रे' रिलीज कर दिया है, जो फिल्म की आध्यात्मिक और भक्तिपूर्ण गहराई की एक झलक दिखाता है। सोशल मीडिया पर गाने को पेश करते हुए मेकर्स ने लिखा, 'नागबंधम' के आध्यात्मिक महाकाव्य के साथ भक्ति की एक नई दुनिया में कदम रखें पहला गाना नमो रे अब रिलीज हो चुका है। 'नमो रे' गाना फिल्म की कहानी की नींव रखता है, जिसमें दमदार आवाज, पारंपरिक भक्ति भाव और शानदार संगीत का मेल है। यह गाना सुनने वालों को आस्था और अध्यात्म की एक अलग दुनिया में ले जाता है, जो इस फिल्म का मुख्य हिस्सा नजर आ रहा है। 'नागबंधम' के टीजर को भी इसकी भव्यता, जबरदस्त बैकग्राउंड म्यूजिक और शानदार स्क्रीन प्रेजेंटेशन के लिए काफी पसंद किया जा रहा है। टीजर में एक ऐसी पौराणिक दुनिया की झलक मिलती है जो भारतीय लोक कथाओं और संस्कृति से गहराई से जुड़ी है। अभिषेक नामा ने इस फिल्म की कहानी लिखी है और निर्देशन भी वही कर रहे हैं। इसे किशोर अन्नपुरेड्डी और निशिता नागिरेड्डी ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 2026 की गर्मियों में पैन-इंडिया (पूरे भारत में) रिलीज के लिए तैयार है।

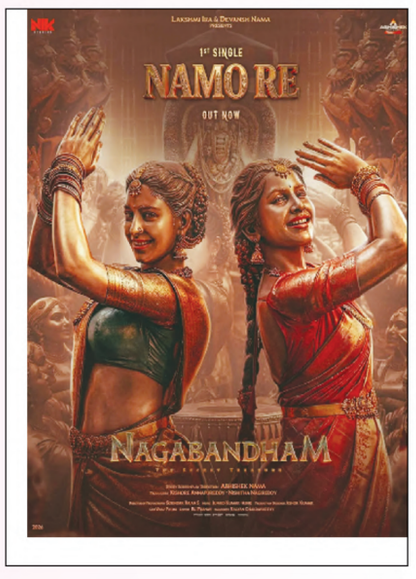

(साभार एजेंसी)

सफलता का कोई सीक्रेट नहीं, सब कुछ कड़ी मेहनत से हासिल होता है : रोहित शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट या सीक्रेट नहीं होता और हर उपलब्धि के पीछे कड़ी मेहनत होती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारतीय पुरुष और महिला टीमों द्वारा जीते गए आईसीसी खिताब भविष्य में और बड़ी सफलताओं की शुरुआत साबित होंगे। रोहित ने कहा कि मैदान पर खेलने वाले खिलाड़ियों के साथ-साथ पर्दे के पीछे काम करने वाले सपोर्ट स्टाफ और अन्य लोगों का योगदान भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है।

खिलाड़ियों के साथ सपोर्ट स्टाफ का भी बड़ा योगदान –रोहित शर्मा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल करना आसान नहीं होता और इसके लिए खिलाड़ियों को लगातार मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने बताया कि केवल मैदान पर खेलने वाले खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि टीम मैनेजमेंट, कोचिंग स्टाफ और अन्य सहयोगी भी सफलता के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं। रोहित के अनुसार टीम की उपलब्धियों का श्रेय सभी लोगों को मिलना चाहिए।

पुरुष और महिला क्रिकेट की सफलता पर गर्व – रोहित शर्मा ने भारतीय क्रिकेट की हालिया सफलताओं पर खुशी जताते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में देश का झंडा लगातार ऊंचा लहराया है। उन्होंने कहा कि केवल पुरुष क्रिकेट ही नहीं बल्कि

महिला क्रिकेट ने भी शानदार प्रदर्शन किया है और विश्व स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है। रोहित के मुताबिक भारतीय महिला टीम की उपलब्धियां भी उतनी ही प्रेरणादायक हैं जितनी पुरुष टीम की।

टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीत की याद – उल्लेखनीय है कि आईसीसी मैंस टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने खिताब जीता था। इसके बाद मार्च 2025 में भारत ने आईसीसी चैंपियस ट्राफी 2025 भी अपने नाम किया। इन जीतों के बाद भारतीय क्रिकेट में आत्मविश्वास और उत्साह का नया माहौल बना।

अंडर-19 टीमों ने भी जीते विश्व कप – भारत की जूनियर टीमों ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। पुरुष अंडर-19 टीम ने हाल ही में आईसीसी अंडर टी-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप जीता, जिसकी कप्तानी आयुष म्हात्रे ने की। वहीं महिला अंडर-19 टीम ने भी 2025 में खिताब जीता, जिसकी कप्तान निकी प्रसाद थीं।

अगला बड़ा टूर्नामेंट महिला टी20 विश्व कप – भारतीय क्रिकेट के लिए अगला बड़ा आईसीसी टूर्नामेंट आईसीसी वूमेन टी-वर्ल्ड कप होगा, जो 12 जून से ब्रिटेन में शुरू होगा। इस टूर्नामेंट में भारत को ग्रुप-1 में पाकिस्तान, नीदरलैंड, बांग्लादेश, साउथ अफ्रीका और आस्ट्रेलिया के साथ रखा गया है।

पूजा गहलोत की कुश्ती के खिलाफ थे पिता, हालात से लड़कर बनाई पहचान

नई दिल्ली, एजेंसी। कई खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाने से पहले कई लड़ाइयां लड़नी पड़ती हैं। भारत की होनहार महिला पहलवान पूजा गहलोत ने अखाड़े में उतरने से पहले कई ऐसी ही जंग लड़ी। आर्थिक तंगी के साथ-साथ पूजा के पिता उन्हें कुश्ती खेलते हुए नहीं देखना चाहते थे। हालांकि, पूजा के बुलंद हौसलों के आगे एक दिन पिता को भी झुकना पड़ा। पूजा गहलोत का जन्म दिल्ली के लांपुर गांव में हुआ। बचपन से ही पूजा को खेलों में खास रुचि थी। कुश्ती का खेल पूजा के दिल के थोड़ा ज्यादा करीब था। हालांकि, उस दौर में लड़कियों का कुश्ती खेलना सामान्य बात नहीं माना जाता था। खुद पूजा के पिता नहीं चाहते थे कि वह इस खेल में करियर बनाएं। पूजा की प्रतिभा को चाचा धर्मवीर सिंह ने पहचाना, और वह ही उनको महज 6 साल की उम्र में अखाड़े लेकर गए। पिता की सख्ती के चलते पूजा ने पहले वॉलीबॉल खेलना शुरू किया लेकिन बाद में वह कुश्ती के खेल में रम गईं। चाचा धर्मवीर ने पूजा को कुश्ती की बारीकियां सिखाईं और इसके बाद पूजा ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। पूजा ने 2017 में एशियन जूनियर चैंपियनशिप में लाजवाब प्रदर्शन किया और स्वर्ण पदक जीता। पूजा गहलोत पहली बार साल 2019 में सुर्खियों में आईं। उन्होंने अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रजत पदक को अपने नाम किया। इस चैंपियनशिप से पहले कंधे की चोट के कारण पूजा को दो साल तक कुश्ती से दूर रहना पड़ा था। हालांकि, पूजा ने जबरदस्त वापसी करते हुए हर किसी को दिखाया कि वह इस खेल के लिए ही बनी हुई हैं। साल 2022 में कॉमनवेल्थ गेम्स में पूजा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देखने को मिला।

एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप

इंग्लैंड ने फाइनल में भारत को 2-0 से हराया

हैदराबाद, एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 क्वालीफायर में दूसरे स्थान पर रही। शनिवार को हैदराबाद के जीएमसी बालायोगी हॉकी ग्राउंड में हुए फाइनल मुकाबले में टीम को इंग्लैंड के हाथों 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड की ओर से ग्रेस बाल्सडन (13वें मिनट) और एलिजाबेथ नील (43वें मिनट) ने गोल किए। भारत ने मैच की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। नवनीत कौर ने शुरुआती दो मिनट के अंदर ही अपनी टीम के लिए एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। हालांकि, इस सेट पीस से उन्होंने जो ड्रैग फ्लिक लगाई, उसे इंग्लैंड की गोलकीपर ने रोक दिया। मेजबान टीम ने जबरदस्त अनुशासन दिखाया। उन्होंने अपने डिफेंस को मजबूत बनाए रखा और साथ ही विरोधी टीम के पाले में भी सेंध लगाने की कोशिशें जारी रखीं। हालांकि, पहले क्वार्टर के आखिर में इंग्लैंड ने मैच में अपनी पकड़ मज़बूत कर ली और दो मिनट शेष रहते एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। ग्रेस बाल्सडन (13वें मिनट) ने इस मौके का पूरा फायदा उठाया। उन्होंने अपनी ड्रैग फ्लिक से गोल किया और इस टूर्नामेंट में पेनल्टी कॉर्नर से अपना पांचवां गोल दागते हुए इंग्लैंड को 1-0 की बढ़त दिला दी।दूसरा क्वार्टर भी पहले क्वार्टर जैसा ही रहा। इस रोमांचक मुकाबले में दोनों ही टीमों ने एक-दूसरे को ज्यादा मौके नहीं दिए। पहले हाफ में 8 बार सर्कल में घुसने के बावजूद भारत ने इंग्लैंड के डिफेंस को तो चुनौती दी, लेकिन वह इंग्लैंड की गोलकीपर को भेदने में नाकाम रहा। इसका फायदा उठाते हुए मेहमान टीम हाफ टाइम तक अपनी एक गोल की बढ़त बनाए रखने में कामयाब रही। बढ़त हासिल करने के बाद, इंग्लैंड ने गेंद को बेहतरीन तरीके से पास किया और मैच पर अपनी पकड़ बनाए रखी। भारत को दबाव बनाने के कुछ मौके मिले, लेकिन मेहमान टीम का डिफेंस मजबूती से डटा रहा।

हेड कोच का ऋषभ पंत को जोरदार समर्थन, बोले- चैंपियन ज्यादा देर तक नहीं रुकते

लखनऊ (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने टीम के कप्तान ऋषभ पंत का जोरदार समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि महान खिलाड़ी कभी भी लंबे समय तक खराब दौर में नहीं रहते और पंत भी जल्द अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ वापसी करेंगे। आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च से होने वाला है और उससे पहले टीम मैनेजमेंट को उम्मीद है कि पंत इस सीजन में शानदार प्रदर्शन करेंगे।

पंत की फॉर्म को लेकर चिंता नहीं- लैंगर – जस्टिन लैंगर ने पंत की हालिया फॉर्म को लेकर उठ रहे सवालों को खारिज करते हुए कहा कि टीम को अपने कप्तान पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि पिछले साल के आखिर में पंत ने कुछ बेहतरीन पारियां खेली थीं और टीम को उम्मीद है कि वह इस सीजन भी उसी अंदाज में बल्लेबाजी करेंगे। लैंगर के मुताबिक, बड़े खिलाड़ी मुश्किल दौर से जल्दी बाहर निकल आते हैं और पंत भी उनमें से एक हैं।

युवराज सिंह के साथ की खास ट्रेनिंग – आईपीएल 2026 से पहले ऋषभ पंत ने अपनी तैयारी को और मजबूत करने के लिए मुंबई में विशेष ट्रेनिंग कैंप में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने भारत के दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह के मार्गदर्शन में अभ्यास किया। यह ट्रेनिंग उस समय हुई जब पंत पिछले कुछ समय से चोट की समस्या से जूझ रहे थे। लैंगर ने बताया कि अभ्यास सत्र से मिली शुरुआती रिपोर्ट बेहद सकारात्मक है और पंत शारीरिक तथा मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार नजर आ रहे हैं।

चोट के बाद वापसी की तैयारी – 26 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज जनवरी से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर रहे हैं। वडोदरा में भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाली वनडे सीरीज से पहले एक अभ्यास सत्र के दौरान उन्हें साइड स्ट्रेन की चोट लगी थी। इसके बाद से वह रिकवरी और फिटनेस पर

काम कर रहे हैं ताकि आईपीएल 2026 में पूरी तरह फिट होकर उतर सकें।

एलएसजी को पंत से बड़ी उम्मीद – लखनऊ सुपर जायंट्स को इस बार अपने कप्तान से काफी उम्मीदें हैं। पिछले सीजन में टीम का प्रदर्शन खास नहीं रहा था और एलएसजी अंक तालिका में सातवें स्थान पर रही थी। ऐसे में फ्रेंचाइजी चाहती है कि पंत इस बार मिडिल ऑर्डर की मजबूत कड़ी बनकर टीम को बेहतर नतीजे दिलाएं।

आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी – ऋषभ पंत आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी भी हैं। एलएसजी ने उन्हें 27 करोड़ रुपये में खरीदा था, जो लीग के इतिहास का सबसे बड़ा कॉन्ट्रैक्ट माना जाता है। हालांकि पिछले सीजन में उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। आईपीएल 2025 में उन्होंने 14 मैचों में 269 रन बनाए थे और उनका स्ट्राइक रेट 133.16 रहा।

पिछले सीजन की शानदार पारी – हालांकि सीजन के आखिरी मुकाबले में पंत ने शानदार वापसी के संकेत दिए थे। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ नाबाद 118 रन की शानदार पारी खेली थी। इसके बावजूद टीम प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी और सातवें स्थान पर ही रही।

आईपीएल में शानदार रिकॉर्ड – हालिया चुनौतियों के बावजूद ऋषभ पंत का आईपीएल रिकॉर्ड बेहद शानदार रहा है। उन्होंने आईपीएल में अब तक 110 से ज्यादा मैचों में 3200 से अधिक रन बनाए हैं। उनका करियर स्ट्राइक रेट 145 से ज्यादा है। पंत के नाम टूर्नामेंट में 2 शतक और 19 अर्धशतक भी दर्ज हैं, जो उन्हें दुनिया के सबसे खतरनाक विकेटकीपर बल्लेबाजों में शामिल करता है।

चैंपियंस ट्रॉफी जिताने वाले कप्तान

सरफराज अहमद ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज सरफराज अहमद ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। लगभग दो दशक लंबे करियर के बाद उन्होंने रविवार को अपने इंटरनेशनल करियर को अलविदा कह दिया।सरफराज पाकिस्तान के उन खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं जिन्होंने टीम को कई यादगार जीत दिलाई और खासकर आईसीसी चैंपियंस ट्राफी 2017 में ऐतिहासिक खिताब जिताकर बड़ी पहचान बनाई।

तीनों फॉर्मेट में शानदार करियर – सरफराज अहमद ने पाकिस्तान के लिए तीनों फॉर्मेट में क्रिकेट खेला। उन्होंने अपने करियर में 54 टेस्ट, 117 वनडे और 61 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले। इन मैचों में उन्होंने कुल 6,164 रन बनाए, जिसमें 6 शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं।

2017 चैंपियंस ट्रॉफी में दिलाई ऐतिहासिक जीत

सरफराज अहमद के करियर का सबसे बड़ा पल आईसीसी चैंपियस ट्राफी 2017 रहा। उनकी कप्तानी में पाकिस्तान ने फाइनल में भारत को 180 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया था। इस जीत के साथ सरफराज पाकिस्तान के पहले कप्तान बने जिन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता।

जूनियर और सीनियर स्तर पर भी जीता आईसीसी खिताब

सरफराज अहमद की कप्तानी की एक और बड़ी उपलब्धि यह रही कि उन्होंने जूनियर और सीनियर दोनों स्तरों पर आईसीसी ट्रॉफी जीती। उन्होंने आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप 2006 में पाकिस्तान की अंडर-19 टीम को खिताब दिलाया था। उस फाइनल में पाकिस्तान ने भारत को 38 रन से हराया था।

2007 में किया था डेब्यू, 2023 में खेला आखिरी मैच

सरफराज अहमद ने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच 2007 में वनडे के रूप में खेला था। वहीं उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट में खेला था। इसके बाद अब उन्होंने आधिकारिक रूप से इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है।

रिटायरमेंट पर सरफराज अहमद का भावुक संदेश

संन्यास की घोषणा करते हुए सरफराज अहमद ने कहा कि पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। उन्होंने अपने साथियों, कोच, परिवार और फैंस का धन्यवाद किया। साथ ही उन्होंने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट उनके दिल के बेहद करीब है और वह आगे भी किसी न किसी रूप में खेल का समर्थन करते रहेंगे।

टी20 वर्ल्ड कप

तीन डक के बाद भी नहीं टूटा भरोसा, गौतम गंभीर ने अभिषेक शर्मा को दी थी खास सलाह

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारतीय टीम की जीत के बाद हेड कोच गौतम गंभीर ने युवा ओपनर अभिषेक शर्मा को लेकर बड़ा खुलासा किया है। टूर्नामेंट की शुरुआत में लगातार तीन मैचों में शून्य पर आउट होने के बावजूद टीम मैनेजमेंट ने अभिषेक पर भरोसा बनाए रखा। गंभीर ने बताया कि उन्होंने युवा बल्लेबाज को डर के बिना अपना स्वाभाविक खेल खेलने की सलाह दी थी।

खराब शुरुआत के बावजूद टीम का भरोसा – टी20 वर्ल्ड कप 2026 के शुरुआती मुकाबलों में अभिषेक शर्मा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और वह लगातार तीन मैचों में डक पर आउट हो गए थे। इसके बाद उनकी फॉर्म को लेकर काफी सवाल उठने लगे थे। हालांकि टीम मैनेजमेंट ने उन्हें लेकर कोई संदेह नहीं जताया और उन्हें लगातार समर्थन दिया।

गंभीर ने अपने करियर का उदाहरण दिया – गौतम गंभीर ने अभिषेक को समझाने के लिए अपने करियर का एक अनुभव भी साझा किया। उन्होंने बताया कि 2014 के आईपीएल सीजन में वह खुद भी खराब दौर से गुजरे थे और लगातार चार मैचों में शून्य पर आउट हुए थे। गंभीर ने कहा कि कई बार खिलाड़ी फॉर्म में होते हैं, लेकिन रन नहीं बन पाते। इसलिए सिर्फ स्कोरकार्ड देखकर किसी खिलाड़ी का आकलन करना सही नहीं होता।

'20-30 गेंद खेलने के बाद ही पता चलता है फॉर्म' – गंभीर के अनुसार किसी बल्लेबाज की फॉर्म का सही अंदाजा तब ही लगाया जा सकता है जब वह क्रीज पर कुछ समय बिताए।उन्होंने कहा कि जब तक बल्लेबाज 20 से 30 गेंदों का सामना नहीं करता, तब तक यह कहना मुश्किल होता है कि वह फॉर्म में है या नहीं। इसी वजह से उन्होंने अभिषेक को अगले मैच में और भी ज्यादा आक्रामक खेलने की सलाह दी।

कार्लोस अल्कारेज को मिली हार

मेदवेदेव ने इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में दी मात

इंडियन वेल्स , एजेंसी। रूस के डेनिल मेदवेदेव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्पेन के कार्लोस अल्कारेज को मात दी। इस तरह अल्कारेज को 16 मैचों बाद पहली हार का सामना करना पड़ा। डेनिल मेदवेदेव ने शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्कारेज को इस साल की पहली हार का स्वाद चखाया और सीधे सेटों में जीत दर्ज करके इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। इस तरह अल्कारेज का 16 मैचों से चला आ रहा विजयी अभियान समाप्त हो गया। मेदवेदेव ने सेमीफाइनल में अल्कारेज को 6-3, 7-6 (3) से पराजित किया।

मेदवेदेव का अब सिनर से होगा सामना

फाइनल में रूस के 11वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी मेदवेदेव का मुकाबला इटली के दूसरी वरीयता प्राप्त यानिक सिनर से होगा। सिनर ने अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-2, 6-4 से हराया। अल्कारेज ने इससे पहले इस साल लगातार 16 मैच जीते थे, जिनमें ऑस्ट्रेलियाई ओपन और कतर ओपन के खिताब शामिल हैं। मेदवेदेव ने इस जीत से अल्कारेज और सिनर के बीच एक और फाइनल की संभावना को खत्म कर दिया। मेदवेदेव इससे पहले अल्कारेज के खिलाफ अपने पिछले चार मुकाबलों में हार गए थे, जिनमें 2024 में इंडियन वेल्स के फाइनल में मिली हार भी शामिल है। मेदवेदेव की 2023 में यूएस ओपन के सेमीफाइनल के बाद यह अल्कारेज पर पहली जीत है। सिनर ने ज्वेरेव को एक घंटे 23 मिनट में ही हरा दिया। सिनर ने चौथी वरीयता प्राप्त ज्वेरेव के खिलाफ छह ऐस लगाए। सिनर का ज्वेरेव के खिलाफ रिकॉर्ड अब 7-4 हो गया है। इस टूर्नामेंट में मेदवेदेव और सिनर दोनों ने ही अभी तक एक भी सेट नहीं गंवाया है। सिनर ने मेदवेदेव के खिलाफ अपने पिछले तीन मैच जीते हैं, जिनमें 2024 में यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल की जीत भी शामिल है। इस बीच महिला युगल के फाइनल में टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा ने अन्ना डैनिलिना और एलेक्जेंड्रा क्रुनिक को 7-6 (4), 6-4 से हराया। पुरुष युगल के फाइनल में गुइडो एंड्रेओज़ी और मैनुअल गिनार्ड ने आर्थर रिंडरकनेच और वैलेंटीन वाचेरोट को 7-6 (3), 6-3 से पराजित किया। मिश्रित युगल में बेलिंडा बेनसिच और फ्लेवियो कोबोली ने शीर्ष वरीयता प्राप्त गैब्रिएला डाब्रोव्स्की और लॉयड ग्लासपूल को 6-3 2-6, 10-7 से हराया।

आईसीसी का कड़ा एक्शन

पाकिस्तानी बल्लेबाज सलमान अली आगा को लगी फटकार, खाते में जुड़ा डिमेरिट पॉइंट

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे वनडे मैच के दौरान अपना आपा खोना पाकिस्तानी क्रिकेटर सलमान अली आगा को भारी पड़ गया है। आईसीसी ने आचार संहिता के उल्लंघन के लिए उन्हें आधिकारिक तौर पर फटकार लगाई है। शुक्रवार को ढाका में खेले गए मैच के दौरान सलमान आगा को बांग्लादेशी कप्तान मेहदी हसन मिराज ने रन आउट किया था। इस

विवादित रन आउट को आगा ने 'खेल भावना के खिलाफ' माना। आउट होकर पवेलियन लौटते समय उन्होंने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए हेलमेट और ग्लव्स सीमा रेखा (बाउंड्री) के पास फेंक दिए थे। अनुच्छेद 2.2 का उल्लंघनः उन्हें आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 का दोषी पाया गया है, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान खेल सामग्री या उपकरणों के साथ दुर्व्यवहार से संबंधित है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिकी सहयोगियों से होर्मुज जलडमरूमध्य में युद्धपोत भेजने का आग्रह किया

ईरान ने जवाबी कार्रवाई की धमकी दी

» काहिरा, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने के ईरान के प्रयास से प्रभावित देशों से आग्रह किया है कि वे वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण इस संकरे समुद्री मार्ग को सुरक्षित करने के लिए पोत भेजें। ईरान ने अमेरिका और इजराइल के साथ उसके युद्ध के समाप्त होने के कोई आसान नजर नहीं आने के बीच, लोगों से संयुक्त अरब अमीरात के तीन बंदरगाहों को खाली करने का आग्रह किया। ईरान ने पश्चिम एशिया के सबसे व्यस्त बंदरगाह और संयुक्त अरब अमीरात के दो अन्य बंदरगाहों को खाली करने का आह्वान किया है। यह पहली बार है जब ईरान ने किसी पड़ोसी देश की गैर-अमेरिकी परिसंपत्तियों पर हमले की खुले तौर पर धमकी दी है। ईरान ने कोई साक्ष्य दिए बिना कहा कि अमेरिका ने ईरान के तेल निर्यात के मुख्य टर्मिनल वाले खार्ग द्वीप पर हमला करने के लिए संयुक्त अरब अमीरात में बंदरगाहों, गोदियों और ठिकानों का इस्तेमाल किया।

उसने लोगों से उन इलाकों को छोड़ने का आग्रह किया, जहां उसके अनुसार अमेरिकी बलों ने शरण ली है। इस बीच, लेबनान का मानवीय संकट और गहरा गया है। इजराइल ने ईरान समर्थित हिज्बुल्ला चरमपंथियों के खिलाफ कई हमले किए जिनमें 800 से अधिक लोग मारे गए हैं और 8,50,000 लोग विस्थापित हुए हैं। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में चीन, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन और अन्य देशों से होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाज भेजने का आग्रह किया तथा कहा कि अमेरिका तटरेखा पर बमबारी जारी रखेगा और ईरानी पोतों एवं नौकाओं को निशाना बनाएगा। अमेरिका एवं इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान पर एक बड़ा संयुक्त हमला शुरू किया था और ईरान की जवाबी कार्रवाई के साथ यह युद्ध पूरे खाड़ी क्षेत्र में फैल गया। ईरानी हमलों ने होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री यातायात को प्रभावित किया है जो कच्चे तेल की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए महत्वपूर्ण है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच शनिवार को इराक की राजधानी बगदाद में अमेरिकी दूतावास परिसर के अंदर एक हेलीपैड पर मिसाइल से हमला हुआ जबकि संयुक्त अरब अमीरात में ईरान की रोकी गई मिसाइल का मलबा तेल संयंत्र पर गिर गया। एसोसिएटेड प्रेस की तस्वीरों में बगदाद में स्थित अमेरिकी दूतावास से धुआं उठता दिखा। इसके अलावा यूएई में फुजैरा बंदरगाह में आग लगती हुई दिखी जहां अधिकारियों के अनुसार एक ड्रोन को मार गिराया गया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका ने खार्ग द्वीप और अबू मूसा द्वीप पर संयुक्त अरब अमीरात के दो स्थानों- रस अल खैमाह और दुबई के बेहद करीब एक जगह से हमला किया। उन्होंने इसे खतरनाक बताते हुए कहा कि ईरान वहां आबादी वाले किसी भी क्षेत्र पर हमला नहीं करने के लिए सावधानी बरतने की कोशिश करेगा।

युद्ध का विस्तार करने की ईरान की धमकी के बीच खाड़ी देशों में मिसाइल एवं ड्रोन हमले

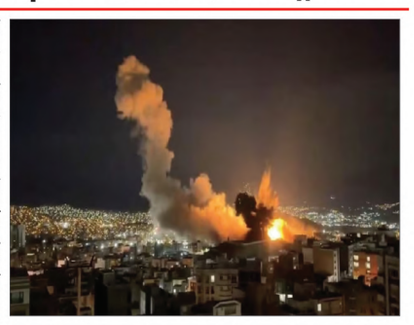

काहिरा। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के दौरान ईरान द्वारा अपने हमलों का दायरा और व्यापक करने की धमकी दिए जाने के बीच, अरब खाड़ी देशों ने रविवार को उन पर मिसाइल और ड्रोन हमलों की सूचना दी। इजराइल और अमेरिका ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया था जिसके जवाब में कार्रवाई करते हुए ईरान ने इजराइल और पड़ोसी खाड़ी देशों पर हमले किए। इस युद्ध के जल्द समाप्त होने के आसार नजर नहीं आ रहे और इसके कारण वैश्विक विमानन सेवाएं अस्त-व्यस्त हो गई हैं, तेल निर्यात बाधित हुआ है और दुनियाभर में ईंधन की कीमतों में वृद्धि हुई है। बहरीन, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने रविवार को अपने निवासियों को चेतावनी दी कि वे उनकी ओर आ रहीं मिसाइल रोकने की दिशा में कदम उठा रहे हैं। इससे पहले, ईरान ने लोगों से संयुक्त अरब अमीरात के तीन बंदरगाहों को खाली करने का आग्रह किया था। ईरान ने पश्चिम एशिया के सबसे व्यस्त बंदरगाह और संयुक्त अरब अमीरात के दो अन्य बंदरगाहों को खाली करने का आह्वान किया। यह पहली बार है जब ईरान ने किसी पड़ोसी देश की गैर-अमेरिकी परिसंपत्तियों पर हमले की खुले तौर पर धमकी दी। ईरान ने कोई साक्ष्य दिए बिना कहा कि अमेरिका ने ईरान के तेल निर्यात के मुख्य टर्मिनल वाले खार्ग द्वीप पर हमला करने के लिए संयुक्त अरब अमीरात में बंदरगाहों, डॉक और ठिकानों का इस्तेमाल किया। उसने लोगों से उन इलाकों को छोड़ने का आग्रह किया, जहां उसके अनुसार अमेरिकी बलों ने शरण ली है। इस बीच, लेबनान का मानवीय संकट और गहरा गया है। इजराइल ने ईरान समर्थित हिजबुल्ला चरमपंथियों के खिलाफ कई हमले किए जिनमें 800 से अधिक लोग मारे गए हैं और 8,50,000 लोग विस्थापित हुए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने के ईरान के प्रयास से प्रभावित देशों से आग्रह किया कि वे वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण इस संकरे समुद्री मार्ग को सुरक्षित करने के लिए पोत भेजें।

तेल और प्राकृतिक गैस भंडारों पर ड्रोन व मिसाइलों से हमला

ईरान के तेल संयंत्रों पर हमलों के बाद काली बारिश से जनता को खतरा

» दुबई, भाषा।

अमेरिका व इजराइल के ईरान के तेल भंडारों पर किए गए हवाई हमलों कारण उठे जहरीले धुएं के बादल धरती पर काली बारिश हुई। अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने इसके मद्देनजर जनता के लिए गंभीर खतरों की चेतावनी जारी की है। पिछले हफ्ते ईरान के कई तेल डिपो और एक रिफाइनरी पर हमले के बाद तेहरान के पास काली और तैलीय बारिश हुई, जिससे राजधानी के निवासियों ने आंखों में जलन और सांस लेने में तकलीफ की शिकायत की। दो सप्ताह से जारी युद्ध के दौरान क्षेत्र के अन्य हिस्सों में भी काले धुएं के गुबार देखे गए। ईरान भी फारस की खाड़ी के पड़ोसी देशों के तेल और प्राकृतिक गैस भंडारों पर ड्रोन व मिसाइलों से हमला कर अमेरिकी-इजराइली हवाई हमलों का जवाब दे रहा है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, बारिश अपेक्षाकृत कम समय में वायुमंडल से खतरनाक रसायनों को साफ कर देती है लेकिन काली बारिश के संपर्क में आने वाले लोगों को अल्पकालिक और दीर्घकालिक स्वास्थ्य जोखिमों से बचने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए। यह तब होता है, जब राख और जहरीले रसायन वायुमंडल में पानी की बूंदों के साथ मिलकर बारिश के दौरान वापस पृथ्वी पर गिरते हैं। तेल रिफाइनरियों या तेल क्षेत्रों में आग लगने के बाद यह आम बात है और यह जंगल की आग, ज्वालामुखी विस्फोट व औद्योगिक प्रदूषण के कारण भी हो सकता है। विशेषज्ञों ने बताया कि राख के छोटे कण मानव बाल की चौड़ाई से लगभग 40 गुना छोटे होते हैं और यह फेफड़ों में गहराई तक जम सकते हैं व रक्तप्रवाह में प्रवेश कर सकते हैं, जिससे सांस लेने और हृदय संबंधी समस्याएं हो सकती हैं जो समय से पहले मृत्यु का कारण बन सकती हैं। पीएएच के संपर्क में आने से कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और ईरान के स्वास्थ्य एवं पर्यावरण अधिकारियों ने लोगों को घर के अंदर रहने और मास्क पहनने की सलाह दी। उन्होंने चेतावनी दी कि बारिश का पानी अत्यधिक अम्लीय है और त्वचा को जला सकता है तथा फेफड़ों को नुकसान पहुंचा सकता है।

यूएई में भ्रामक वीडियो क्लिप प्रसारित करने के आरोप में दस लोगों पर मुकदमे दर्ज करने का आदेश

दुबई, भाषा। ईरान में युद्ध के कारण क्षेत्रीय तनाव के बीच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने सोशल मीडिया मंच पर भ्रामक और मनगढ़ंत सामग्री वाले वीडियो क्लिप प्रसारित करने के आरोप में विभिन्न देशों के 10 नागरिकों को गिरफ्तार करने और उनके खिलाफ तत्काल मुकदमा शुरू करने का आदेश दिया है। देश की आधिकारिक समाचार एजेंसी अमीरात समाचार एजेंसी (डब्ल्यूएएम) द्वारा जारी एक बयान में यूएई के अटॉर्नी जनरल डॉ. हमाद सैफ अल शम्सी ने कहा कि क्षेत्रीय घटनाक्रम के मद्देनजर डिजिटल मंचों की निरंतर निगरानी के बाद यह कार्रवाई की गई है। अटॉर्नी जनरल ने आरोपियों की राष्ट्रीयता का खुलासा नहीं किया। उन्होंने कहा, ऐसी घटनाओं का फायदा उठाकर गलत सूचना फैलाई गई है, जिसका मकसद जनता को जानबूझकर गुमराह करना और राष्ट्रीय सुरक्षा, व्यवस्था एवं स्थिरता को कमजोर करना है। डॉ. अल शम्सी ने कहा कि विचाराधीन आरोपियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करके बनाए गए वीडियो फुटेज प्रसारित किए जिनमें यूएई के विभिन्न क्षेत्रों में विस्फोटों, प्रमुख स्थलों पर हमलों या धुआं उठते हुए विशाल आग का भ्रामक संकेत दिया गया था। उन्होंने कहा, कुछ फुटेज में देश के भीतर सैन्य ठिकानों के नष्ट होने का दावा किया गया या विदेशी घटनाओं को यूएई के स्थानों से जोड़ा गया। इनका उद्देश्य लोगों को गुमराह करना और भय फैलाना था। उनके अनुसार, लोक अभियोजन ने आरोपियों से पूछताछ शुरू कर दी है और उन्हें हिरासत में रखने का आदेश दिया है।

न्यूज ब्रीफ

ताइवान ने द्वीप के पास बड़े पैमाने पर चीनी सैन्य विमानों की मौजूदगी की सूचना दी

» हांगकांग, भाषा।

ताइवान ने द्वीप के निकट बड़े पैमाने पर चीनी सैन्य विमानों की मौजूदगी देखी है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। ताइवान के मुताबिक पिछले दो हफ्तों में क्षेत्र में चीनी सैन्य विमानों की गतिविधि में आई भारी गिरावट के बाद यह वृद्धि देखी गई है। इसने कहा कि शनिवार को मंत्रालय ने द्वीप के आसपास 26 चीनी सैन्य विमानों का पता लगाया, जिनमें से 16 विमान उसके मध्य और दक्षिण-पश्चिमी वायु रक्षा क्षेत्र में प्रवेश कर गए। विमानों की संख्या में यह वृद्धि से विश्लेषक यह समझने में असमंजस में पड़ गए कि चीन की सेना आखिर क्या कर रही है।

ताइवान ने 27 फरवरी से पांच मार्च तक एक सप्ताह के दौरान किसी भी चीनी सैन्य विमान के मध्य रेखा को पार करके क्षेत्र में प्रवेश करने की सूचना नहीं दी। छह मार्च को दो मामले सामने आने के बाद, अगले चार दिनों तक कोई मामला नहीं आया। ताइवान की सेना ने पहले संकेत दिया था कि चीनी युद्धक विमानों की गतिविधि में कमी के कारण वह अपनी रक्षा नीति में कोई बदलाव नहीं कर रही है। रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू ने इससे पहले कहा था कि सैन्य उड़ानों में कमी आने के बावजूद चीन की नौसेना आसपास के जलक्षेत्र में सक्रिय बनी हुई है।

अमेरिकी सीनेट के चुनावी सुधारों संबंधी विधेयक पर विचार करने की संभावना

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिकी सीनेट इस सप्ताह उस विधेयक पर विचार कर सकती है जिसके तहत संघीय चुनाव में मतदान करने के लिए पंजीकरण से पहले मतदाताओं को नागरिकता का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस कदम को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया है। सेव अमेरिका एक्ट के तहत मतदाताओं को मताधिकार का प्रयोग करने से पहले एक फोटो पहचान पत्र भी दिखाना होगा। यह विधेयक डाक द्वारा मतदान की व्यवस्था को केवल दिव्यांगजन, बीमार, सैन्य सेवा में कार्यरत या यात्रा कर रहे लोगों तक सीमित करेगा।

अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस की वेबसाइट के अनुसार, भारत और ब्राजील पहले ही मतदाता पहचान पत्रों को बायोमेट्रिक डेटाबेस से जोड़ चुके हैं, जबकि अमेरिका में मतदान करने की अनुमति से पहले नागरिकता के लिए स्व-सत्यापन पर निर्भर रहना पड़ता है। ट्रंप ने पिछले सप्ताह सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर कहा था, रिपब्लिकन पार्टी को पूरे जोश से और हर कीमत पर सेव अमेरिका एक्ट लागू करना ही होगा और वह भी इसका कमजोर संस्करण नहीं। यह हमारे राष्ट्र के लिए एक निर्णायक लड़ाई है।

गाजा में इजराइली हमले में चार लोग मारे गए : अस्पताल अधिकारी

» काहिरा, भाषा।

युद्धग्रस्त गाजा पट्टी में इजराइली हवाई हमले में रविवार को एक लड़के और उसकी गर्भवती मां सहित कम से कम चार फलस्तीनी मारे गए। अस्पताल अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अल-अक्सा शहीद अस्पताल के अनुसार, मध्य गाजा के शहरी शरणार्थी शिविर नुसेरात में एक घर पर यह हमला हुआ, जिसमें एक दंपति और उनके छोटे बेटे की मौत हो गई, जबकि मारे गए चौथे व्यक्ति को नुसेरात के अवदा अस्पताल ले जाया गया था। इस मामले पर इजराइली सेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई।

अक्टूबर में युद्धविराम समझौता हो जाने के बाद से तटीय क्षेत्र में फलस्तीनियों की मौत की यह ताजा घटना है। इस समझौते का उद्देश्य गाजा में इजराइल और हमास के बीच दो साल से अधिक समय से जारी युद्ध को रोकना था। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, हालांकि भीषण लड़ाई थम गई है, फिर भी इजराइल लगभग रोजाना गोलीबारी कर रहा है। इजराइली सेना ने बार-बार हवाई हमले किए हैं और सैन्य नियंत्रण वाले क्षेत्रों के पास फलस्तीनियों पर लगातार गोलीबारी की है, जिसमें 650 से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं।

उत्तर कोरिया के नेता किम ने अपनी बेटी के साथ रॉकेट प्रक्षेपण प्रणालियों का परीक्षण देखा

» सियोल, भाषा।

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपनी बेटी के साथ बहु रॉकेट प्रक्षेपण प्रणालियों के परीक्षण का निरीक्षण किया। सरकारी मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी। इसे अमेरिका और दक्षिण कोरिया के जारी सैन्य प्रशिक्षण के संभावित जवाब के रूप में देखा जा रहा है। उत्तर कोरिया ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यासों का जवाब देने की हाल में धमकी दी थी। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच फ्रीडम शील्ड सैन्य अभ्यास जारी है। दोनों देश के संयुक्त सैन्य अभ्यासों को उत्तर कोरिया अपने ऊपर आक्रमण की तैयारी बताता रहा है।

सरकारी कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने बताया कि किम ने शनिवार को उत्तर कोरिया के पूर्वी तट के पास 12 अति-सटीक 600 मिमी कैलिबर के रॉकेट प्रक्षेपकों के परीक्षण को देखा। दक्षिण कोरिया की सेना ने शनिवार को जानकारी दी थी कि उत्तर कोरिया ने शनिवार को पूर्वी सागर की ओर लगभग 10 बैलिस्टिक मिसाइल दागीं। दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने इन प्रक्षेपणों को ऐसा उकसावे वाला कदम बताया जो उत्तर कोरिया की किसी भी बैलिस्टिक गतिविधि पर रोक लगाने संबंधी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन करता है। केसीएनए ने किम के हवाले से कहा कि यह अभ्यास 420 किलोमीटर (260 मील) की मारक क्षमता के भीतर आने वाले दुश्मनों को बेचैन कर देगा और उन्हें हमारे सामरिक परमाणु हथियार की विनाशकारी शक्ति अच्छे से समझ आ जाएगी। उनका इशारा संभवतः दक्षिण कोरिया और दक्षिण कोरिया में तैनात अमेरिकी सैनिकों की ओर था। केसीएनए के अनुसार, किम ने कहा, अगर इस हथियार का इस्तेमाल किया जाता है, तो इसकी मारक क्षमता के दायरे में आने वाला प्रतिद्वंद्वी का सैन्य बुनियादी ढांचा किसी भी तरह बच नहीं सकता। केसीएनए की तस्वीरों में किम और उनकी बेटी विशाल जैतूनी-हरे रंग के प्रक्षेपण ट्रकों के पास चलते हुए और उनसे दागे जा रहे हथियारों को देखते हुए नजर आ रहे हैं। ऐसा बताया जाता है कि किम जोंग उन की बेटी किम जू ऐ की आयु लगभग 13 साल है और वह 2022 के अंत से ही सैन्य परेड और हथियार प्रक्षेपण सहित कई प्रमुख कार्यक्रमों में अपने पिता के साथ नजर आती रही हैं। दक्षिण कोरिया की जासूसी एजेंसी ने पिछले महीने अनुमान लगाया था कि किम जोंग उन अपनी बेटी को अपना उत्तराधिकारी नामित करने वाले हैं।

वियतनामः नेशनल एसेंबली के चुनाव के लिए लाखों मतदाताओं ने किया मतदान

हनोई, भाषा। वियतनाम में मतदाताओं ने रविवार को नई नेशनल एसेंबली के चुनाव के लिए मतदान किया। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा नेता तो लाम को देश के सर्वोच्च राजनीतिक पद पर पुनः निर्वाचित किए जाने के दो महीने बाद यह मतदान हुआ। देश भर में लगभग 7.90 करोड़ मतदाता नेशनल एसेंबली के लिए 864 उम्मीदवारों में से 500 प्रतिनिधियों को चुनने के पात्र हैं। सभी उम्मीदवारों को कम्युनिस्ट पार्टी ने पहले ही मंजूरी दे दी है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि एसेंबली पार्टी की राजनीतिक दिशा के अनुरूप बनी रहे। कम्युनिस्ट पार्टी राजनीतिक गतिविधियों को यह दलील देते हुए सख्ती से नियंत्रित करती है कि केंद्रीकृत नेतृत्व देश को बिना किसी बाधा के दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम बनाता है।

भारत का कच्चे तेल का टैंकर यूएई के फुजैराह से सुरक्षित निकला

» नई दिल्ली/संयुक्त अरब अमीरात , भाषा।

तेल टर्मिनल पर हमले के बावजूद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के फुजैराह से तेल भरने के बाद भारतीय ध्वज वाला कच्चे तेल का एक टैंकर सुरक्षित निकल गया है। सरकार ने रविवार एक अद्यतन सूचना में कहा कि वह पश्चिम एशिया में स्थिति पर करीब से नजर रख रही है और स्थिर ईंधन आपूर्ति और समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित कर रही है। जग लाडकी नाम का यह जहाज, जिसमें लगभग 80,800 टन मुरबन कच्चा तेल है, फुजैराह से भारतीय समय के अनुसार 10.30 बजे निकला और इस पर सवार सभी सदस्य सुरक्षित हैं, और अब यह भारत के लिए रवाना हो गया है। जग लाडकी चौथा भारतीय ध्वजवाहक जहाज है जो युद्ध क्षेत्र से बिना किसी नुकसान के बाहर निकला है। तैयारी के उपायों पर एक अद्यतन सूचना में सरकार ने कहा कि इसके अलावा, सुरक्षित रास्ता भारतीय कूटनीति के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

होर्मुज जलडमरूमध्य में पोत परिवहन की दिक्कतों ने भारत की ऊर्जा आपूर्ति पर असर डाला है। इसमें कहा गया, 14 मार्च, 2026 को, जब भारतीय ध्वज वाला जहाज जग लाडकी फुजैराह सिंगल पॉइंट मूरिंग पर कच्चा तेल भर रहा था, तो तेल टर्मिनल पर हमला हुआ। जहाज़ आज (रविवार) 10.30 बजे फुजैराह से लगभग 80,800 टन मुरबन कच्चा तेल लेकर सुरक्षित रूप से भारत के लिए रवाना हुआ। इसमें कहा गया है कि जहाज और उसमें सवार सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। शनिवार को, दो भारतीय ध्वज वाले एलपीजी जहाज शिवालिक और नंदा देवी लगभग 92,712 टन तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) लेकर युद्ध प्रभावित होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर गए। सूचना के अनुसार, शिवालिक 16 मार्च को गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पर पहुंचेगा, और नंदा देवी 17 मार्च को कांडला बंदरगाह पर लंगर डालेगा। ये दोनों जहाज़ उन 24 जहाजों में शामिल थे जो इस क्षेत्र में युद्ध शुरू होने के बाद से जलडमरूमध्य के पश्चिमी हिस्से में फंसे हुए थे। पश्चिमी इलाके पर 24 के अलावा, पूर्वी क्षेत्र में चार और जहाज फंसे हुए थे। पूर्वी इलाके में पर चार में से भारतीय ध्वज वाला तेल टैंकर जग प्रकाश, जो ओमान से अफ्रीका पेट्रोल ले जा रहा था, शक्रवार को युद्ध प्रभावित इलाके को पार कर गया। जग प्रकाश ने ओमान के सोहर बंदरगाह से पेट्रोल लिया था और अब यह तंजानिया के टांगा जा रहा है। यह 21 मार्च को टांगा पहुंचने वाला है। सरकार ने कहा कि इस इलाके में काम कर रहे भारतीय जहाज और नाविक सुरक्षित हैं, और समुद्री परिचालन पर करीब से नजर रखी जा रही है। अभी, फारस की खाड़ी इलाके के पश्चिम की ओर 22 भारतीय ध्वजवाहक जहाज हैं जिन पर 611 नाविक हैं। भारत अपनी लगभग 88 प्रतिशत कच्चा तेल, 50 प्रतिशत प्राकृतिक गैस और 60 प्रतिशत एलपीजी ज़रूरतें आयात से पूरी करता है। 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हमले और जवाबी ईरानी कार्वाई से पहले भारत का आधे से ज़्यादा कच्चा तेल आयात, लगभग 30 प्रतिशत गैस और 85-90 प्रतिशत एलपीजी आयात सऊदी अरब और यूएई जैसे पश्चिम एशियाई देशों से आता था।

नेपाल में भारतीय तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस दुर्घटनाग्रस्त होने से सात लोगों की मौत

काठमांडू, भाषा। नेपाल के मध्य क्षेत्र में भारतीय तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक यात्री बस के दुर्घटनाग्रस्त होने से सात लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना शनिवार को नेपाल के गंडकी प्रांत में हुई। पुलिस के अनुसार, तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस मनकामना मंदिर से लौट रही थी तभी गोरखा जिले में सड़क से नीचे गिर गई। गोरखा जिले के जिला यातायात पुलिस कार्यालय के प्रमुख सूरज आर्यल ने बताया कि मृतकों में दो महिलाएं और पांच पुरुष शामिल हैं और ये सभी भारतीय नागरिक हैं। जिला पुलिस कार्यालय प्रमुख भरत बहादुर बीके के अनुसार, पीड़ितों की पहचान मुथु कुमार (58), अनामलिक (58), मीनाक्षी (59), शिवगामी (53), विजयल (57), मीना (58) और तमिलारसी (60) के रूप में की गई है। काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, सात अन्य घायल यात्रियों को बचा लिया गया है और उनका आंबुखैरेनी के एक अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। हिमालयन टाइम्स के अनुसार, इलेक्ट्रिक बस का चालक बाल-बाल बच गया, जबकि उसका सहायक इस घटना में घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

ऑस्ट्रेलियाई हवाई यात्रियों के लिए बेहद चिंताजनक

चीन की ओर से ईंधन निर्यात पर लगाया गया प्रतिबंध

» मेलबर्न, भाषा।

चीन द्वारा तेल शोधकों को सभी ईंधन निर्यात रोकने के निर्देश दिए जाने की खबरों के बीच ऑस्ट्रेलिया में तरल ईंधन की कमी और कीमतों में वृद्धि की आशंका है। इससे ईरान संघर्ष की अवधि और तेल आपूर्ति पर इसके प्रभाव को लेकर वैश्विक स्तर पर बनी अनिश्चितता और भी बढ़ गई है। ऑस्ट्रेलियाई दैनिक ऑस्ट्रेलियन फाइनेंशियल रिव्यू ने शुक्रवार को बताया कि चीन ने तेल रिफाइनरी को सभी निर्यात रोकने के बारे में सूचित किया है जिससे ऑस्ट्रेलिया को भेजे जाने वाले कम से कम दो मालवाहकों को लेकर संदेह पैदा हो गया है।

विश्व के सबसे महत्वपूर्ण परिवहन मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य में दो परिवहन जहाजों को नष्ट कर दिया गया है, जिससे संघर्ष जारी रहने के दौरान भविष्य में इन जहाजों की यात्रा को लेकर आशंका बढ़ गई है। इसका मतलब यह है कि चीन जैसी एशियाई रिफाइनरियों को तेल की आपूर्ति में काफी कमी आ सकती है। चीन ने रिफाइनरियों को सभी ईंधन मालवाहकों को रोकने को कहा एशियाई देशों को अपने तेल का 90 प्रतिशत तक हिस्सा पश्चिम एशिया से मिलता है। तरल ईंधन का शुद्ध आयातक होने के नाते ऑस्ट्रेलिया एशियाई रिफाइनरियों से होने वाले निर्यात पर अत्यधिक निर्भर है। विमानन विशेषज्ञ काफी समय पहले ऑस्ट्रेलिया में जेट ईंधन की आपूर्ति बाधित होने की आशंका के बारे में चेतावनी दे चुके हैं। इससे चीन द्वारा ऑस्ट्रेलिया को जेट ईंधन का निर्यात रोकने का कोई भी निर्णय बेहद चिंताजनक हो जाता है। 2025 में ऑस्ट्रेलिया ने अपने जेट ईंधन का लगभग 32 प्रतिशत चीन से आयात किया था। इन निर्यातों के बिना ऑस्ट्रेलिया को दक्षिण कोरिया, ताइवान, सिंगापुर, मलेशिया और भारत जैसे अन्य देशों की ओर रुख करना होगा। हालांकि, ये देश भी पश्चिम एशिया संघर्ष के प्रभाव का सामना कर रहे हैं। जब भंडार वास्तव में मायने रखते हैं यदि ऐसा होता है, तो ऑस्ट्रेलिया को जेट ईंधन के अपने रणनीतिक भंडार पर निर्भर रहना होगा क्योंकि उसके पास घरेलू रिफाइनरी क्षमता बहुत कम है। दुर्भाग्य से ए भंडार पर्याप्त नहीं हैं। मार्च 2026 के मध्य तक उद्योग, विज्ञान और संसाधन विभाग ने पुष्टि की कि ऑस्ट्रेलिया के पास लगभग 29 से 32 दिनों के जेट ईंधन का भंडार है जो लगभग 80.2 करोड़ लीटर के बराबर है। ऑस्ट्रेलिया की जेट ईंधन आपूर्ति श्रृंखला दीर्घकालिक भंडारण के बजाय निरंतर टैंकर आपूर्ति पर आधारित है। बड़े हवाई अड्डे जेट ईंधन को टैंक फार्मों में संग्रहित करते हैं जिनमें कई भंडारण टैंक होते हैं जो पाइपलाइनों से जुड़े होते हैं। इन केंद्रों में एक समय में केवल कुछ हफ्तों का जेट ईंधन ही रखा जा सकता है। इसका मतलब है कि यदि नई आपूर्ति नहीं आती है तो हवाई अड्डों में ईंधन जल्दी खत्म हो जाएगा। ऑस्ट्रेलिया द्वारा तरल ईंधन के अपने सुरक्षा भंडार को नहीं बढ़ाने के कई कारण हैं। इनमें घरेलू शोधन क्षमता में गिरावट, सस्ते वैश्विक स्रोतों पर निर्भरता और ईंधन भंडारण से जुड़ी लागत और स्थान की कमी शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया में जेट ईंधन के सबसे बड़ा उपभोक्ता क्वांटास एयरलाइन ने संकेत दिया है कि उसे किराए बढ़ाने पड़ेंगे, हालांकि फिलहाल उड़ानें रद्द नहीं की गई हैं। एयर न्यूजीलैंड ने ईंधन की कीमतों और आपूर्ति संबंधी समस्याओं के कारण पहले ही अपनी सेवाओं से।,100 उड़ानें कम कर दी हैं। आशंका है कि इससे निकट भविष्य में हवाई किराए में वृद्धि, ईंधन अधिभार, उड़ानों में कमी और रद्द होने जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, जोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com